RNI No. 62592/95
www.upobserver.in
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 31 सोमवार 3 से 9 नवंबर, 2025 पृष्ठः 8 मूल्य : ₹3/=

मोदी शुगर मिल में गन्ना पेराई सत्र का हुआ शुभारंभ ...8

पीएम मोदी का दावा- 11 नवंबर के बाद राजद-कांग्रेस वाले एक-दूसरे का सिर फोड़ने लगेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय बिहार दौरे पर हैं। आरा के बाद वह नवादा में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे। यहां पर भाजपा और एनडीए के नेताओं ने उनका स्वागत किया। साथ ही जनसभा में आए लोगों ने भारत माता के जयकारे लगाए। पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए इस बार फिर से एनडीए सरकार के नारे लगाए। उन्होंने मगही भाषा में लोगों को नमन किया। कहा कि यह मगही पान की धरती है। मैं तो बनारस का सांसद हूं। मगही पान और बनारस का संबंध हमलोगों से अच्छा कौन जानेगा। नवादा, गयाजी, नालांदा, औरंगाबाद, जहानबाद या अरवल हो, इन सभी जगहों पर अद्भुद सामर्थ्य है। श्री कृष्ण बाबू ने बिहार के विकास की नींव रखी। यह धरती लोकनायक जयप्रकाश नारायण और भोला सिंह जैसे जनसेवकों की कर्मभूमि रही है। मगध पुरातन भारत की शान है। अब हमें मगध को और बिहार को फिर वही पुराना गौरव लौटाना है। हमें विकासित बिहार बनाना है। इसलिए आज मैं एनडीए के सभी उम्मीदवारों के लिए आपका आशीर्वाद मांगने आया हूं। आपका उत्साह देखकर लग रहा है कि एक बार फिर से एनडीए सरकार आएगी।

बिहार का विकास एकजुट एनडीए ही कर सकता है

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस की रग-रग की सच्चाई बिहार की जनता जानती है। राजद और कांग्रेस दो परिवारों के बीच सिमटी हुई पार्टियां हैं। एक बिहार का सबसे भ्रष्ट परिवार और दूसरा देश का सबसे भ्रष्ट परिवार। अब इन दो परिवारों में ही जंग छिड़ गया है। जंगलराज के युवराज को लगता है कि एक युवराज की पदयात्रा ने उन्हें पैदल कर दिया। आज तक यह दोनों दल एक-दूसरे के बाल नोंचने में लगे थे। अब तो खबर यह है कि हर बूथ पर कांग्रेस के लोगों ने राजद को हराने की ठान ली है। आप देखिएगा कि 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान खत्म होते ही राजद और कांग्रेस एक-दूसरे का सिर फोड़ने लगेंगे। बिहार का विकास एकजुट एनडीए ही कर सकता है। एनडीए सबको अवसर देता है। सबको सम्मान देता है। वहीं जंगलराज वालों के लिए सिर्फ अपना परिवार ही मायने रखता है।

पीएम मोदी ने बताया जंगल राज की क्या पहचान थी

पीएम मोदी कहा कि राजद-कांग्रेस भ्रष्ट परिवारों ने अपने स्वार्थ के लिए सामाजिक न्याय का उपयोग किया। केवल अपने परिवार की तिजौरियों को भरा। बिहार की संपत्तियों को लूटा। मैं सभी नौजवान साथियों को सतर्क रहने के लिए कहूंगा। आप सोचिए जब आपके दादा-दादी और नाना-नानी ने श्रीकृष्ण बाबू का दौर देखा था। उस दौरान बिहार नई उम्मीद और नए भविष्य की ओर बढ़ रहा था। लेकिन, आपके माता-पिता वाली पीढ़ी ने जंगलराज देखा। आपके दादा-दादी के सपने चूर-चूर हो गए। तब बिहार में जंगलराज ने पैर रख दिया था। उन्होंने कहा कि कटता, क्रूरता, कुसंस्कार, कुशासन और करप्शन ही राजद के जंगलराज की एक ही पहचान थी। जंगलराज ने मगध नरसंहार का दाग लगा दिया।

राजद और कांग्रेस वाले होते तो आपकी तिजौरी लूट लेते

पीएम मोदी महागठबंधन पर भी जमकर हमला बोला। साथ ही एनडीए की जीत का दावा करते हुए कहा कि इस बार भारी बहुमत से एनडीए की सरकार बनने जा रही है। आपका यह उत्साह बता रहा है कि इस बार महागठबंधन की करारी हार होने वाली है। पीएम मोदी ने कहा कि जिसे किसी ने नहीं पूछा, उसे मोदी पूजता है। आजाद भारत में पहली बार ऐसा हुआ है कि छोटे किसानों के लिए बैंक के दरवाजे तक बंद थे। मोदी ने छोटे किसानों के लिए खाते खुलवाए। बिहार के किसानों को अब तक 30 हजार करोड़ मिल चुके हैं। नवादा के दो लाख किसानों के खाते में 650 करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं। याद रखिए सारा का सारा पैसा बिना कट कमीशन के आपके खाते में जमा हुआ है। अगर राजद और कांग्रेस वाले होते तो आपका सारा पैसा लूटकर अपनी तिजौरी भर लेते। यह मैं नहीं कांग्रेस के ही एक प्रधानमंत्री ने कहा था कि दिल्ली का एक रुपया गांव पहुंचते-पहुंचते 15 पैसा बन जाता है। यह कौन सा पंजा था जो आपका पैसा लूट लेता था। इसके बाद पीएम मोदी ने एनडीए सरकार की विकास योजनाओं के बारे में जानकारी दी और एनडीए प्रत्याशियों को वोट देने की अपील की।

पीएम मोदी बोले- RJD ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रख CM पद का एलान कराया, सिख दंगे पर भी बोले

बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान से चार दिन पहले आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महागठबंधन के अंदर चल रही खींचतान पर बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने पहले राजद और कांग्रेस को देश के मुद्दे पर घेरा और फिर बिहार चुनाव में खींचतान तक लेकर आए। पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में देश की सेना की इतनी बड़ी सफलता कांग्रेस और राजद को पसंद नहीं आई। धमाके पाकिस्तान में हो रहे थे और नींद कांग्रेस के शाही परिवार की उड़ी हुई थी। आज तक कांग्रेस और राजद के नामदार ऑपरेशन सिंदूर के सदमे से बाहर नहीं निकल पाए। आज विकसित बिहार के संकल्प के साथ पूरा एनडीए एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा- 'कांग्रेस और राजद के अंदर घमासन मचा हुआ है। अंदर की बात यह है कि नामांकन वापस लेने के एक दिन पहले बंद कमरे में गुंडागर्दी का खेल खेला गया। कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि सीएम पद पर राजद के उम्मीदवार का नाम तय हो। लेकिन, राजद ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर सीएम पद चोरी कर लिया। फिर जबरन सीएम पद की घोषणा करवाई गई।'

पीएम का सवाल- राजद वालों ने कांग्रेस से कुछ भी पूछा?

पीएम मोदी ने आगे कहा- 'राजद और कांग्रेस में झगड़ा भयंकर बढ़ गया। न घोषणा पत्र में कांग्रेस की सुनी गई और प्रचार तक में पूछा गया। राजद वालों ने कांग्रेस की कुछ भी नहीं सुनी। चुनाव के बाद यह लोग एक-दूसरे का सिर फोड़ने लगेंगे। इसलिए हमेशा याद रखिए ऐसे लोग बिहार का भला कभी नहीं कर सकते हैं। एक तरफ सुशासन है। वहीं दूसरी तरफ जंगलराज का कुशासन। जंगलराज ने बिहार को खोखला कर दिया। कट्टा, कटुता, क्रूरता, कुशासन और करप्शन ही जंगलराज की पहचान है। बेटियों से छेड़खानी, व्यापारियों से लूटपाट समेत सबकुछ राजद वाले मौका मिलते ही करने लगते हैं।

समर्थ उत्तर प्रदेश अभियान में हो रही व्यापक जन भागीदारी : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के एक अभियान के तहत 71 लाख से अधिक प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 56 लाख से अधिक प्रतिक्रियाएं ग्रामीण क्षेत्रों से आई हैं। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक एक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 2047 तक उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य बनाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के तहत संचालित राज्यव्यापी अभियान समर्थ उत्तर प्रदेश - विकसित उत्तर प्रदेश @2047: समृद्धि शताब्दी मिशन में व्यापक जनभागीदारी देखी जा रही है। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक एकनवंबर 2025 तक नोडल अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने सभी 75 जिलों का व्यापक दौरा किया और विभिन्न लक्षित समूहों जैसे कि छात्रों, शिक्षकों, व्यापारियों, उद्यमियों, किसानों, गैर सरकारी संगठनों, श्रमिक संघों, मीडिया कर्मियों और आम जनता से बातचीत की है।

बयान के अनुसार उन्होंने पिछले आठ वर्षों में राज्य की विकास यात्रा के बारे में जानकारी साझा की और भविष्य की प्रगति के रोडमैप को आकार देने के लिए सुझाव मांगे। बयान के अनुसार समर्पित पोर्टल के माध्यम से अभियान को कुल 71,19,607 प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई हैं।

बयान के अनुसार उनमें से 56,48,094 ग्रामीण क्षेत्रों से और 14,71,515 शहरी क्षेत्रों से आईं। बयान के अनुसार क्षेत्रवार देखें तो कृषि क्षेत्र को 18,71,355 प्रतिक्रियाएं मिली है। इसके बाद ग्रामीण विकास (13,81,355), शिक्षा (16,16,590), सामाजिक कल्याण (5,49,594), शहरी विकास और स्वास्थ्य (4,84,735), उद्योग (2,63,415), पशुधन और डेयरी (2,84,857), आईटी और प्रौद्योगिकी (2,00,376), पर्यटन (1,68,819) और सुरक्षा (1,34,683) की बारी आती है।

विद्यालयों में अध्यापकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को ठोस समाधान लाए सरकार: अदालत

नई दिल्ली। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि राज्य सरकार को उन विद्यालयों में अध्यापकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए ठोस समाधान लाना आवश्यक है, जहां गरीब ग्रामीणों के बच्चे पढ़ते हैं।

अदालत ने राज्य सरकार को उन उपायों से अवगत कराने को कहा जो अन्य संस्थानों और विभागों में चल रहे हैं, जिससे विद्यालयों में अध्यापकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके। न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि बांदा जिले के पैलानी में स्थित एक विद्यालय की अध्यापिका इंद्रा देवी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे।

बांदा के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा औचक निरीक्षण के दौरान स्कूल में कथित तौर पर इंद्रा देवी के अनुपस्थित पाए जाने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था। अदालत ने कहा कि देश की आजादी के बाद से एक प्रभावी उपस्थिति प्रणाली के नहीं होने से गरीब बच्चों की शिक्षा का संवैधानिक अधिकार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इससे पूर्व, 16 अक्टूबर को अदालत ने राज्य के अधिकारियो को शैक्षणिक संस्थानों में उपस्थिति की निगरानी के लिए जमीनी स्तर पर एक व्यवहारिक नीति बनाने का निर्देश दिया था।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार के स्थायी अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि पूर्व के निर्देश के अनुपालन में प्रदेश के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक बैठक हुई है। अदालत ने 30 अक्टूबर को दिए अपने आदेश में कहा, टेक्नोलॉजी के युग में अध्यापकों की उपस्थिति डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से निर्धारित समय पर दर्ज की जानी चाहिए।

सीईसी ज्ञानेश कुमार का मोकामा हत्याकांड पर कड़ा संदेश बोले- हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस, बिहार चुनाव शांतिपूर्ण होंगे

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को भारत निर्वाचन आयोग की हिंसा के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति दोहराई। उन्होंने बिहार के मतदाताओं को आश्वस्त किया कि सभी पुलिस अधिकारी, निर्वाचन अधिकारी और जिला परिषद के अधिकारी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए तत्पर हैं, जो पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल कायम करेगा। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि मैं सभी से अपील करता हूँ कि वे चुनाव प्रक्रिया में भाग लें और अपने मताधिकार का प्रयोग करें। हिंसा के विषय पर, चुनाव आयोग यह स्पष्ट करना चाहता है कि चुनाव आयोग हिंसा के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाता है। हिंसा की कोई भी घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार है कि मतदाता शांतिपूर्वक मतदान कर सकें। हमारे 243 रिटर्निंग ऑफिसर, इतने ही पर्यवेक्षक, हर ज़िले के

कलेक्टर, ज़िला अधिकारी, एसपी, एसएसपी, पुलिस पर्यवेक्षक, सभी तैयार हैं, 'मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने कानपुर में संवाददाताओं से कहा। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह टिप्पणी हाल ही में 30 अक्टूबर को मोकामा विधानसभा क्षेत्र में राजनेता दुलारचंद यादव की हत्या के बीच आई है, जब वह उस क्षेत्र से जन सुराज उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शिनी की रैली में मौजूद थे। हत्या के बाद, मोकामा से जनता दल (यूनाइटेड) के उम्मीदवार अनंत कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त अपने संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) कानपुर का दौरा करने कानपुर आए हैं, जहाँ संस्थान ने हाल ही में उन्हें विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार (DAA) से सम्मानित किया है, जो उनके पूर्व छात्रों को उनकी असाधारण योग्यता के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। आज मैं एक पूर्व छात्र के रूप में IIT कानपुर आया हूँ, क्योंकि उन्होंने मुझे सम्मानित करने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा, मैंने अपने जीवन के सबसे ऊजार्वान चार साल कानपुर शहर में बिताए हैं और मुझे इससे बहुत लगाव है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे यहाँ आने और आईआईटी कानपुर जाने का मौका मिला। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का पक्ष लेने के बार-बार लग रहे आरोपों के बीच, उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी जोर दिया, क्योंकि यह चुनाव आयोग का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा, यही वह समय है जब बिहार में चुनाव हो रहे हैं। बिहार चुनाव में, हर राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से मतदाताओं से वोट मांग रहा है। मैं एक बार फिर कहना चाहता हूँ कि चुनाव आयोग के लिए न तो कोई सत्ता पक्ष में है और न ही विपक्ष में, सभी तटस्थ हैं।

पहले चरण का चुनाव 6 नवंबर को होगा, दूसरे चरण का चुनाव 11 नवंबर को होगा और मतगणना 14 नवंबर को होगी।

दिल्ली में महिलाओं-ट्रांसजेंडर के लिए 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' लॉन्च, मुफ्त बस यात्रा का तोहफा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने रविवार को 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' की शुरूआत की। यह एक विशेष पहल है जिसका उद्देश्य दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और क्लस्टर बसों में महिलाओं और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मुफ्त और सुविधाजनक यात्रा प्रदान करना है। इस नई योजना के तहत, 12 वर्ष से अधिक आयु की बेटियाँ, बहनें और माताएँ अब राजधानी भर में मुफ्त यात्रा का आनंद ले सकेंगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पोस्ट पर यह घोषणा की।

सीएम गुप्ता ने एक्स पर कहा कि दिल्ली सरकार ने महिलाओं और ट्रांसजेंडरों के लिए 'पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड' लॉन्च किया है। अब, 12 वर्ष से अधिक आयु की बेटियाँ, बहनें और माताएँ डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त और सुविधाजनक यात्रा कर सकेंगी। पोस्ट में आगे लिखा गया है कि यह पहल दिल्ली में महिलाओं के लिए यात्रा को आसान बनाने, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने और नारी शक्ति को अधिक सुविधाएँ और सम्मान प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले, दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को घोषणा की कि दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व में शहर के गैर-अनुरूप क्षेत्रों में संचालित निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को मान्यता देने का एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

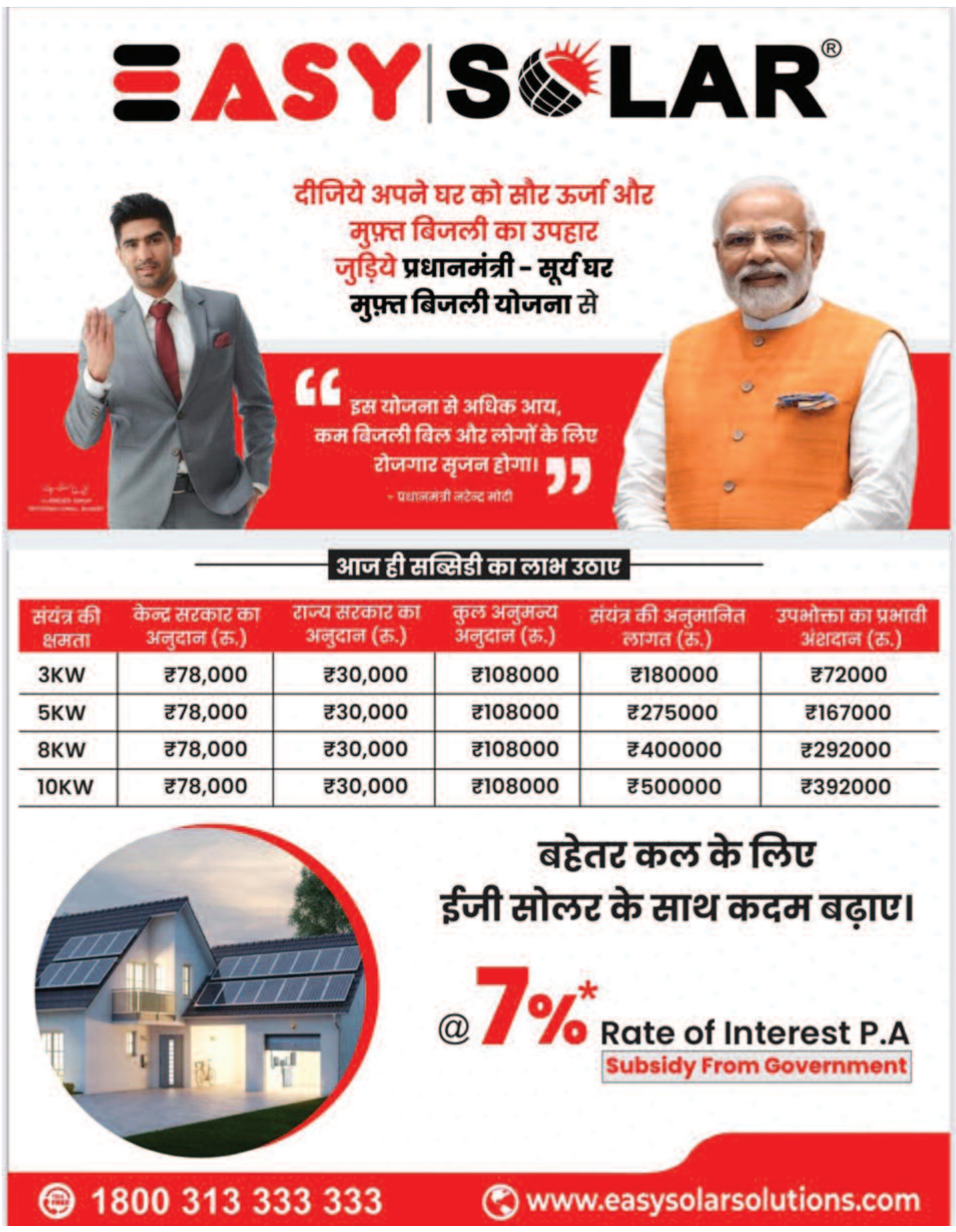

संयंत्र की क्षमता	केन्द्र सरकार का अनुदान (रु.)	राज्य सरकार का अनुदान (रु.)	कुल अनुमन्य अनुदान (रु.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (रु.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (रु.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने प्रार्थियों को किया आश्वस्त, बोले-

शिकायतों का होगा शत-प्रतिशत निस्तारण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा प्रतिदिन की तरह जनसुनवाई की गयी। जिलाधिकारी द्वारा की जा रही जनसुनवाई में प्रत्येक जनसुनवाई में प्राथियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जन सुनवाई के दौरान नगर निगम, पुलिस विभाग, जीडीए, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी प्रार्थियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना व समझा गया। उन्होने प्रार्थियों से जाना कि उनके द्वारा पूर्व में भी इस सम्बंध में कोई प्रार्थना पत्र दिया गया था अथवा नहीं। उन्होने सभी प्रार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का पूर्ण गुणवत्ता के साथ समाधान कराया जायेगा।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में आयी शिकायतों को शत–प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं। उन्होने कहा कि स्थलीय निरीक्षण योग्य शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं, इसके साथ ही सभी शिकायतों के निस्तारण उपरान्त शिकायतकर्ता से उसका फीडबैक लेना भी सुनिश्चित करें। जनता दर्शन के दौरान उपस्थित जन सामान्य की शिकायतों को एक -एक व्यक्तियों से सुन कर संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर, शासन के मंशा अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने तथा जमीन से संबंधित समस्या को पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम के द्वारा तत्काल मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय सुनिश्चित कराएं जाने के निर्देश दिया गया।

कोई भी शिकायत हो तो जनता दर्शन में स्वयं उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र उपलब्ध करा सकते है। अपनी शिकायत से पहले सम्बन्धित अधिकारी को अवश्य अवगत कराएं, जिससे शिकायत का निदान यथाशीघ्र हो सकें। जनसुनवाई के दौरान एडीएम एल/ए विवेक मिश्र, एडीएम सिटी विकास कश्यप, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय, आईएएस अयान जैन (ट्रेनी) उपस्थित रहे।

पुलिस कमिश्नर जे रविंद्र गौड़ ने दिलाई एकता और अखंडता की शपथ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर पुलिस कार्यालय के प्रांगण में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त जे रविन्दर गौड ने समस्त पुलिस कर्मियों को देश की एकता, अखण्डता एवं सुरक्षा को संरक्षित एवं सशक्त करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने की शपथ दिलाई गई।

उधर, एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी ने अपने कैंप कार्यालय पर सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल, डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने अपने अपने कार्यालय पर पुलिसकर्मियों को देश की एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। इसके अलावा सभी एसीपी और थानों में सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया गया और पुलिसकर्मियों को एकता और अखंडता की शपथ दिलाई गई।

जनपद की तीनों तहसीलों में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

289 शिकायतें प्राप्त, मौके पर 31 का हुआ निस्तारण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासनादेश के मद्देनजर माह के प्रथम व तृतीय शनिवार हो सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया जाता है जिसके क्रम में जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ के निदेर्शानुसार जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया।

सदर तहसील

मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। इस दौरान कुल 98 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर 22 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम श्री अरूण दीक्षित, नगर निगम के अधिकारी, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोदीनगर तहसील

एडीएम एफ/आर श्री सौरभ भट्ट की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 97 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम श्री अजीत सिंह, एसीपी मोदीनगर, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोनी तहसील

श्री दीपक सिंघनवाल ज्वाईंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लोनी की अध्यक्षता में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 94 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 06 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

इस दौरान तहसीलदार, पुलिस अधिकारी, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में 289 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 31 शिकायतों का निस्तारण हुआ।

जीडीए उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने इंदिरापुरम विस्तार योजना व एलिवेटेड रोड का किया निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने शुक्रवार को प्राधिकरण के सचिव राजेश कुमार सिंह, प्रभारी मुख्य अभियंता आलोक रंजन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंदिरापुरम विस्तार योजना एवं एलिवेटेड रोड पर कनावनी पुलिया के निकट निमाणार्धीन स्लिप रोड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता तथा स्थल पर उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समयावधि में, पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के उच्चतम मानकों के साथ पूर्ण किए जाएँ। उपाध्यक्ष ने कहा कि गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण की सभी परियोजनाएँ जनसुविधा एवं शहर के समग्र विकास को ध्यान में रखकर संचालित की जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिकों को शीघ्र सुविधाओं का लाभ पहुँचाने के लिए सभी परियोजनाओं को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूरा किया जाए।

निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने योजनाओं के अंतर्गत विकसित की जा रही अधोसंरचना एवं नागरिक सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक सुधारात्मक सुझाव भी प्रदान किए। उल्लेखनीय है कि उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल द्वारा बीती शाम प्राधिकरण कार्यालय का भी निरीक्षण किया गया था। इस दौरान उन्होंने विभिन्न अनुभागों का दौरा करते हुए कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा प्राधिकरण के जनसंपर्क कार्यालय का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्राधिकरण के सचिव राजेश कुमार सिंह, प्रभारी मुख्य अभियंता आलोक रंजन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कमिश्नरेट में चल रहा चार दिवसीय जागरूकता अभियान

स्कूली बच्चों को नए कानूनों से कराया गया रूबरू, वितरित किये गए पंपलेट

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नए आपराधिक कानूनों को लेकर प्रदेश भर में चलाए जा रहे चार दिवसीय जागरूकता अभियान के दौरान स्कूली बच्चों को नए आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को नए कानूनों के बारे में जानकारी देते हुए पंपलेट भी वितरित किये, साथ ही यह जानकारी अन्य लोगों तक पहुंचाने की भी अपील की गई।

नए आपराधिक कानूनों (एनसीएल) जागरूकता अभियान 2.0 के तहत शुक्रवार को ट्रांस हिंडन जोन कमिश्नरेट गाजियाबाद के थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में थाना प्रभारी इंदिरापुरम व पुलिस टीम द्वारा वनस्थली पब्लिक स्कूल सेक्टर-3 वसुंधरा में उपस्थित छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को 3 नए कानून (भारतीय न्याय संहिता-2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023) के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान छात्र/छात्राओं व शिक्षकों को विस्तृत जानकारी प्रदान कर पैम्फलेट वितरित किए गए। उक्त जागरूकता कार्यक्रम के दौरान नागरिकों से नए कानूनों के संबंध मे जानकारी अपने परिजनों एवं समाज के अन्य सदस्यों तक भी पहुंचाने हेतु अपीले की गई। इसके अलावा भोजपुर थाना क्षेत्र के सेंट ब्रदर्स स्कूल में भोजपुर पुलिस की तरफ से छात्र/छात्राओं को तीन नए कानून के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

लोनी बार्डर पुलिस ने चौधरी चरण सिंह इंटर कालेज बेहटा हाजीपुर में लोनी पुलिस द्वारा अशोक विहार में चौपाल लगाकर, अंकुर विहार थाना क्षेत्र में दादा रामफल वाटिका खन्ना नगर में, मुरादनगर पुलिस ने ओमसन पब्लिक स्कूल में, ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में सेठ राधेलाल गर्ल्स इंटर कालेज मंडोला में, निवाडी थाना क्षेत्र में डीजीआर पब्लिक स्कूल में, मसूरी थाना क्षेत्र स्थित रहनुमा इंटर कालेज ग्राम नाहल व जेएमएस कालेज मसूरी में, मोदीनगर पुलिस द्वारा छाया पब्लिक स्कूल व राम मनोहर लोहिया इंजीनियरिंग कालेज में भारत के तीन नए आपराधिक कानूनों के बारे में विस्तार से बताया गया और मौजूद छात्र-छात्राओं को पंपलेट वितरित कर यह जानकारी अन्य लोगों तक भी पहुंचाने की अपील की गई।

खुशखबरी: गाजियाबाद में संपत्तियों के सर्किल रेट स्थिर, पुराने रेट पर ही होगी रजिस्ट्री

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जनपद में संपत्तियों के सर्किल रेट इस वर्ष नहीं बढ़ाए गए हैं, जिसके बाद शनिवार से उप निबंधक कार्यालयों में पुराने रेट पर ही संपत्तियों की रजिस्ट्री की प्रक्रिया लागू कर दी गई। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ के निदेर्शों के अनुसार अब संपत्तियों के बैनामे वर्ष-2024 की दरों पर ही होंगे। इससे शहर में घर और दुकान खरीदना आसान होगा और प्रॉपर्टी के लेन-देन में नागरिकों को राहत मिलेगी। जिला प्रशासन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नई सर्किल दरें जारी की हैं, लेकिन किसी प्रकार की वृद्धि नहीं की गई। केवल दो महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। व्यावसायिक निर्माण के लिए सर्किल दर को 16 हजार रुपए प्रति वर्ग मीटर से बढ़ाकर 20 हजार रुपए प्रति वर्ग मीटर किया गया है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां व्यापारिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं और भूमि का बाजार मूल्य पहले से ही ऊंचा है। इसके अलावा, संस्थागत प्लॉट की रजिस्ट्री अब रिहायशी सर्किल रेट के अनुसार होगी, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक और धार्मिक संस्थानों की संपत्तियों की रजिस्ट्री प्रक्रिया सरल होगी। सहायक आयुक्त निबंधन पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि सर्किल दरों का उद्देश्य सरकार के राजस्व को सुरक्षित रखते हुए संपत्ति लेन-देन को सुगम बनाना है।

इस निर्णय से किसानों को झटका लगा है, क्योंकि उन्होंने कृषि भूमि की दर में 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की मांग की थी। विशेष रूप से जीडीए की हरनंदीपुरम योजना से जुड़े किसानों को अपेक्षित मुआवजा अधिक नहीं मिलेगा। इस क्षेत्र के किसानों ने सर्किल रेट बढ़ाने की मांग को लेकर कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन भी किया था। जिलाधिकारी ने सर्किल रेट बढ़ाने से पहले व्यापक चर्चा की। निबंधन विभाग ने बताया कि शहर में बैनामों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में कम हुई है, खासतौर पर तहसील सदर क्षेत्र में। यदि सर्किल रेट में वृद्धि की जाती, तो बैनामों की संख्या में और कमी आने की संभावना थी। वहीं, जीडीए की हरनंदीपुरम योजना के माले में 40 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई थी, जिस पर 53 आपत्तियां प्राप्त हुई थीं। शहर के 10 प्रमुख स्थानों में सर्किल रेट इस प्रकार हैं: कौशांबी 85 हजार से 1.13 लाख, वैशाली 77 हजार से 85 हजार, इंदिरापुरम 80 हजार से 84 हजार, वसुंधरा 66 से 78 हजार, कविनगर 52,200 से 62,400, नेहरूनगर 51,600 से 60 हजार, बजरिया 84 हजार, क्रॉसिंग रिपब्लिक 22 हजार से 27 हजार, राजनगर एक्सटेंशन 28 हजार से 31 हजार और खोड़ा 25 हजार रुपए प्रति वर्ग मीटर।

नगर निगम ने यूजर चार्ज वसूली में बनाया रिकॉड, शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बनाया और मजबूत

सात महीनों में 5.65 करोड़ रुपये की वसूली, भुगतान की सुविधाओं में तकनीकी नवाचार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में नगर निगम ने यूजर चार्ज वसूली में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों में निगम ने कुल 5 करोड़ 65 लाख रुपये की वसूली की है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में प्राप्त 5 करोड़ 19 लाख रुपये की तुलना में काफी बेहतर है। यह उपलब्धि नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग द्वारा डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन और यूजर चार्ज वसूली में तेजी लाने के प्रयासों का परिणाम है। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने शहर के हर वार्ड में 600 से अधिक अधिकृत वाहनों के माध्यम से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रूप से एकत्र करना सुनिश्चित किया है। इन वाहनों की व्हीकल ट्रैकिंग मॉनिटरिंग सिस्टम के जरिए लाइव निगरानी की जा रही है, जिससे कूड़ा कलेक्शन में पारदर्शिता और समयबद्धता बनी रहती है। प्रत्येक वाहन ट्रांसफर स्टेशन से कचरा उठाकर निर्धारित कचरा प्रोसेसिंग यूनिट तक पहुँचाता है, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था व्यवस्थित और सुचारू रूप से संचालित हो रही है।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी सुनील कुमार राय ने बताया कि इस बार की वसूली पिछले वर्ष की तुलना में तेज रही है और इसे और भी बढ़ाने के लिए नगर आयुक्त द्वारा विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। निगम को इस कार्य में जनप्रतिनिधियों, पार्षदों और आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों का पूरा सहयोग प्राप्त हो रहा है। यूजर चार्ज वसूली का कार्य ग्लोबल ई-विलेज सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के माध्यम से किया जा रहा है, जिसकी निगरानी सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर संदीप नहक और प्रोजेक्ट मैनेजर नेमतउल्लाह पलवी कर रहे हैं। निगम ने वसूली प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाने के लिए 47 पॉस मशीनें उपलब्ध कराई हैं, जिनके माध्यम से चेक और डिजिटल माध्यम से यूजर चार्ज का भुगतान किया जा सकता है। इसके साथ ही नागरिकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन भुगतान पोर्टल भी शुरू किया गया है, जिससे लोग घर बैठे आसानी से अपना यूजर चार्ज जमा कर सकते हैं। सभी जोनल कार्यालयों में अलग से यूजर चार्ज काउंटर बनाए गए हैं, जहाँ नकद भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है।

नगर निगम की यह पहल शहर की विभिन्न सोसाइटियों में भी सराहनीय मिली है। राज एनक्लेव मोहन नगर, पार्ल कोर्ट रामप्रस्थ वसुंधरा, जेएम पार्क वसुंधरा, अंब्रेला हाइट्स वसुंधरा, गुलमोहर अपार्टमेंट सिटी जोन, आनंदम सोसायटी कवि नगर और 21 माइलस्टोन सोसायटी कवि नगर जैसी प्रमुख सोसाइटियों ने नगर निगम से संपर्क कर कैंप लगाकर भुगतान सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

इन सोसाइटियों ने निगम के स्वच्छता प्रयासों और पारदर्शी व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में निगम का पूरा सहयोग जारी रखेंगे। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा कि स्वच्छता केवल निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। गाजियाबाद नगर निगम शहर की सफाई व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से सशक्त बना रहा है। यूजर चार्ज वसूली का उद्देश्य जनता के सहयोग से एक स्वच्छ, सुंदर और टिकाऊ शहर का निर्माण करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वसूली में पारदर्शिता, गति और जनसहयोग सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक क्षेत्र में नागरिकों के लिए अधिकतम सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

> स्वच्छता केवल निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। गाजियाबाद नगर निगम शहर की सफाई व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से सशक्त बना रहा है। यूजर चार्ज वसूली का उद्देश्य जनता के सहयोग से एक स्वच्छ, सुंदर और टिकाऊ शहर का निर्माण करना है। अधिकारियों को निर्देश दिए कि वसूली में पारदर्शिता, गति और जन सहयोग सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक क्षेत्र में नागरिकों के लिए अधिकतम सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता होगी।
>
> **विक्रमादित्य सिंह मलिक**
> **नगर आयुक्त**

आधुनिक तकनीक से संचालित कूड़ा प्रबंधन

नगर निगम स्वास्थ्य विभाग ने शहर के 600 से अधिक अधिकृत वाहनों के माध्यम से घर-घर से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र करना सुनिश्चित किया है। सभी वाहनों की व्हीकल ट्रैकिंग मॉनिटरिंग सिस्टम से लाइव निगरानी। कचरा प्रत्येक वाहन द्वारा ट्रांसफर स्टेशन से कचरा प्रोसेसिंग यूनिट तक पहुँचाया जाता है। पारदर्शिता और समयबद्धता को प्राथमिकता दी जा रही है। नगर आयुक्त ने कहा कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से शहर की सफाई व्यवस्था अधिक संगठित और पारदर्शी बनी है।

> नगर निगम ने वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों में कुल 5 करोड़ 65 लाख रुपये की वसूली की है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 5 करोड़ 19 लाख रुपये की तुलना में काफी अधिक है। इस बार की वसूली पिछले वर्ष की तुलना में तेज रही है और इसे और बढ़ाने के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। यूजर चार्ज वसूली में जनप्रतिनिधियों, पार्षदों और आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों का सहयोग मिल रहा है, जिससे यह प्रक्रिया अधिक सुगम और पारदर्शी बनी है। निगम द्वारा 47 पॉस मशीनों और ऑनलाइन भुगतान पोर्टल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि नागरिक घर बैठे आसानी से यूजर चार्ज जमा कर सकें।
>
> **सुनील कुमार राय**
> **मुख्य कर निर्धारण अधिकारी**

भुगतान प्रक्रिया को और बनाया आसान

यूजर चार्ज वसूली को सरल और सुविधाजनक बनाने के लिए नगर निगम ने कई कदम उठाए हैं। 47 पॉस मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे डिजिटल और चेक माध्यम से भुगतान संभव। नागरिकों के लिए ऑनलाइन भुगतान पोर्टल शुरू किया गया। सभी जोनल कार्यालयों में अलग यूजर चार्ज काउंटर बनाए गए हैं, जहाँ नकद भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके साथ ही प्रमुख सोसाइटियों ने नगर निगम से कैंप लगाकर घर-घर भुगतान सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर गाजियाबाद में निकली गई भव्य एकता यात्रा

हजारों देशभक्तों की सहभागिता, भारत माता, शहीद सरदार वल्लभभाई पटेल, भगत सिंह एवं महात्मा गांधी की झांकियाँ बनी आकर्षण का केंद्र

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महानगर गाज़ियाबाद के तत्वावधान में एवं महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में माय भारत , युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के विशेष सहयोग एवं संयोजन से एक भव्य एकता यात्रा / यूनिटी मार्च का आयोजन शुक्रवार को बड़े उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति के भाव से सम्पन्न हुआ।

यात्रा का शुभारंभ मोहन नगर स्थित सरदार पटेल वाटिका से हुआ। जहां मुख्य अतिथि पंकज सिंह (प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा एवं विधायक नोएडा), कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, विधायक अजीत पाल त्यागी एवं संजीव शर्मा आदि ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया और यात्रा का शुभारंभ किया। भारत माता की भव्य झांकी, सरदार पटेल, भगत सिंह एवं महात्मा गांधी की जीवंत झांकियाँ, ह्लमाय भारतह्व के युवा दलों, एनसीसी, एनडीआरएफ, स्काउट, सिविल डिफेंस, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, फहअ प्रतिनिधियों एवं हजारों देशभक्तों की सहभागिता ने पूरे शहर को राष्ट्रभक्ति और एकता के रंग में रंग दिया। यात्रा अर्थला जीएसटी वाहन संग्रह स्थल से होती हुई दशमेश वाटिका और सिख समाज के स्वागत स्थल से आगे बढ़कर शहीद स्मारक (तोप चौक) तक पहुँची। वहाँ स्कूली बच्चों द्वारा देशभक्ति की रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ भव्य समापन एवं आभार सभा आयोजित की गई।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोही, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बृजपाल तेवतिया, पूर्व अध्यक्ष विजय मोहन, अमर दत्त शर्मा, पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप, पूर्व डिप्टी मेयर राजेश्वर प्रसाद, सरदार भाटी, महामंत्री सुशील गौतम, गोपाल अग्रवाल, पप्पू पहलवान, बॉबी त्यागी, बी.एल. गौतम, संजीव झा, गुंजन शर्मा, प्रदीप चौहान, प्रहलाद दुआ, गौरव चोपड़ा, अभिषेक शर्मा, अनीता शर्मा, ऋचा भदौरिया आदि गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन सचिन डेढ़ा (संयोजक), प्रदीप चौधरी (भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी) एवं नवनीत मित्तल (सह संयोजक) द्वारा किया गया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के कुशल मार्गदर्शन में सम्पूर्ण कार्यक्रम अनुशासित, भव्य और भावनात्मक वातावरण में सम्पन्न हुआ। अंत में सभी अतिथियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर भारत की एकता, अखंडता और समरसता की रक्षा का संकल्प लिया। हजारों देशभक्तों की जयघोषों और भारत माता की झांकी ने वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया।

लौह इच्छाशक्ति से देश को एक सूत्र में पिरोया: पंकज सिंह

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक पंकज सिंह (नोएडा) ने कहा कि सरदार पटेल ने लौह इच्छाशक्ति से देश को एक सूत्र में पिरोया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उसी भावना से आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर रहे हैं।

देशभक्ति के प्रतीक हैं सरदार पटेल: सुनील शर्मा

उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं विधायक सुनील शर्मा ने कहा कि गाज़ियाबाद की यह एकता यात्रा संगठन शक्ति और देशभक्ति का प्रतीक है। हर नागरिक में एकता का संदेश पहुंचाना ही इसका उद्देश्य है।

भारत की एकता की रखी नींव: अतुल गर्ग

सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि सरदार पटेल ने भारत की एकता की नींव रखी थी। आज भाजपा उनके आदर्शों को आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से आगे बढ़ा रही है।

यात्रा ने दिया एकजुटता का संदेश: संजीव शर्मा

विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि यह यात्रा गाज़ियाबाद की संगठन शक्ति और जनता की एकजुटता का प्रेरणादायक उदाहरण है।

देश की अखंडता के लिए किये कार्य: अजीतपाल त्यागी

विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि देश की अखंडता के लिए हर नागरिक को सरदार पटेल जी के आदर्शों को अपनाना चाहिए।

युवाओं को सरदार पटेल से लेनी चाहिए सीख: आशु वर्मा

पूर्व महापौर आशु वर्मा ने कहा कि महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता रही।

राष्ट्र निर्माण में दिया अहम योगदान: एसपी सिंह

पूर्व अध्यक्ष सरदार एस.पी. सिंह ने कहा कि भाजपा सरदार पटेल जी की एकता की भावना को राष्ट्र निर्माण के पथ पर आगे बढ़ा रही है।

मयंक गोयल ने जताया सभी का आभार

कार्यक्रम में माय भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के उपनिदेशक देवेंद्र कुमार की विशेष उपस्थिति रही। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि यह यात्रा सरदार पटेल के एकता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास है। हजारों नागरिकों की सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि आज भी देश की आत्मा एक भारत श्रेष्ठ भारत के विचार से जीवित है। उन्होंने कहा कि माय भारत के सहयोग और युवा शक्ति की सक्रिय भागीदारी ने इस यात्रा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। युवा वर्ग राष्ट्र के भविष्य के निमार्ता हैं, और इस यात्रा ने उनमें देशभक्ति, अनुशासन और सेवा की भावना को मजबूत किया है। श्री गोयल ने विशेष रूप से माय भारत के सहयोग एवं संयोजन दल, एनसीसी, एनडीआरएफ, स्काउट, पुलिस, सिविल डिफेंस, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं, स्कूलों के बच्चों, कोच, शिक्षक-शिक्षिकाओं और सभी नागरिकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस यात्रा को ऐतिहासिक रूप दिया।

2 से 9 नवंबर तक चलेगी एचआरआईटी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाज़ियाबाद। एच.आर.आई.टी. विश्वविद्यालय, गाज़ियाबाद में आज 50वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर ओपन एवं 41वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर बालिका शतरंज प्रतियोगिता झ 2025 के आयोजन को लेकर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के सहयोग से 2 नवम्बर से 9 नवम्बर 2025 तक एच आर आई टी विश्वविद्यालय मेरठ रोड गाजियाबाद परिसर में आयोजित की जा रही है।

इस प्रतियोगिता में देशभर से 600 से अधिक युवा शतरंज खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो अंडर-15 श्रेणी में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह एच.आर.आई.टी. विश्वविद्यालय के ए-ब्लॉक कॉन्फ्रेंस रूम में किया जाएगा जिसमें विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण, आयोजन समिति के सदस्य एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री अभिनव गोपाल (सी डी ओ गाजियाबाद) एवम डॉ अंजुल अग्रवाल (उपकुलाधिपति एच आर आई टी विश्वविद्यालय) द्वारा किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार, प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक आईए धर्मेन्द्र कुमार एवं उप-निर्णायक आईए संदीप सिंह होंगे। आयोजन सचिव श्री अनिल कुमार ने बताया कि विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी, जिसमें शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। यह प्रतियोगिता न केवल प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करेगी, बल्कि गाज़ियाबाद को खेलों के क्षेत्र में एक नई पहचान भी दिलाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में यूनिवर्सिटी के प्रो-चांसलर अंजुल अग्रवाल, चेस फेडरेशन से ए.के.रजादा, अतुल निगम, जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री अभिषेक धानुक एवं मेरे मीडिया सलाहकार राहुल गोयल उपस्थित रहे।

पार्षद पर हुई फायरिंग मामले में कई बिंदुओं पर हो रही जांच

वार्ड स्तर पर भी खंगाली जा रही कई लोगों की कुंडली

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भाजपा पार्षद शीतल चौधरी की कार पर बाइक सवारों द्वारा की गई फायरिंग के मामले में पुलिस तीसरे दिन भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। उधर कार की फोरेंसिट रिपोर्ट भी पुलिस के पास आने में वक्त लगेगा। ऐसे में पुलिस इस घटना के खुलासे को लेकर जो भी संभव हो सकता है वह करने में जुटी है। वार्ड स्तर पर भी कई लोगों की कुंडली खंगाली जा रही है। उधर भाजपाईयों ने जल्द खुलासा नहीं होने पर पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोलने की चेतावनी भी दी है।

ज्ञात हो कि बुधवार देर रात शीतल चौधरी की कार पर उस समय बाइक सवार दो लोगों ने फायरिंग कर दी थी जब वह मधुबन-बापूधाम थाना क्षेत्र में सेंट्रल स्कूल के पास वाली रोड पर कमला नेहरू नगर होते हुए अपने घर जा रही थी। शीतल चौधरी की सूचना पर रात में विधायक संजीव शर्मा व महानगराध्यक्ष मयंक गोयल थाने पहुंचे थे।

घटना स्थल के आसपास कोई भी सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा होने के कारण बदमाशों के बारे में जानकारी नहीं मिल पा रही है। हालांकि पुलिस उक्त रूट पर जाने वाले मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। साथ ही फायरिंग की सच्चाई का पता लगाने के लिए पार्षद की कार को फोरेंसिक जांच के लिए भी भेजा गया है। भाजपा के महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान ने बताया कि भाजपा पार्षद पर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस को कुछ दिन का समय खुलासे के लिए दिया गया है। यदि जल्द खुलासा नहीं होता है तो भाजपाईयों की तरफ से पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा।

एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि घटना के खुलासे को लेकर हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। बताए गए आरोपियों की लगातार तलाश कराई जा रही है। साथ ही फोरेंसिक रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

महापौर ने गृहकर में २0% छूट को ३0 नवंबर तक बढ़ाया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जनहित को दृष्टिगत रखते हुए समस्त सम्पत्तिकरदाताओं को अपने-अपने भवनों पर निर्धारित सम्पत्तिकर नगर निगम कोष में जमा कराना होता है। सदन के द्वारा निम्नानुसार छूट का प्रावधान है और यह 20% छूट 31 अक्टूबर 2025 तक थी। जिसको बढ़ाकर 30 नवम्बर 2025 तक सम्पत्तिकर में 20 प्रतिशत की छूट महापौर सुनीता दयाल द्वारा बढ़ा दी गयी है। बता दें कि नगर निगम अब से पहले तीन बार गृहकर जमा करने की योजना में छूट घोषित कर चुका है। गृहकर जमा करने में छूट अगस्त माह तक हुआ करती थी अब 30 नवंबर तक की छूट एक बार फिर से जारी कर दी गई है। 20 फीसदी छूट के साथ अब उपभोक्ता अपना गृहकर जमा कर सकते हैं और नगर निगम की तरफ से दी जा रही छूट का लाभ उठा सकते हैं।

अरिहंत एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट की वस्त्र प्रदर्शनी आयोजित

महिलाओं की भागीदारी और बढ़ावा देना जरूरी: श्रीचंद शर्मा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। अरिहंत एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट की एमबी गर्ल्स इंटर कॉलेज में चौथी बार आयोजित वस्त्र प्रदर्शनी में विधान परिषद सदस्य श्रीचन्द शर्मा ने कहा कि आज के इस दौर में महिलाओं की भागीदारी को और भी बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने बताया कि युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए भारत सरकार भी युवाओं के कौशल विकास का प्रशिक्षण दे रही है।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने छात्राओं को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। उन्हें बताया कि आज के इस युग में न सिर्फ पढ़ाई से बल्कि अपने हुनर से भी करियर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में श्रीचंद शर्मा मुख्य अतिथि तो अभिनव गोपाल बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरूआत की। एमबी गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने मनमोहक समूह नृत्य एवं नाटिका प्रस्तुत की। नाटिका के माध्यम से महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों को दिखाया गया। एमबी गर्ल्स इंटर कॉलेज में अरिहंत ट्रस्ट के संचालित प्रशिक्षण केंद्र में बनाए गए विभिन्न परिधानों को पहनकर छात्राओं ने रैंपवॉक किया। इस अवसर पर अरिहंत चैरिटेबल ट्रस्ट की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अलका अग्रवाल ने बताया कि 2017 से यह ट्रस्ट यहां की छात्राओं को निशुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण दे रहा है। उन्होंने समाज में नारी के योगदान एवं सहभागिता को रेखांकित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। दोनों अतिथियों ने अरिहंत ट्रस्ट द्वारा संचालित प्रशिक्षण केंद्र के कार्यों की सराहना की। अंत में ट्रस्ट की संस्थापक डॉ. अलका अग्रवाल ने अतिथियों, एमबी गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या अंतिमा चौधरी समेत सभी शिक्षिकाओं एवं छात्राओं का आभार व्यक्त किया। संचालन अमित पाराशर ने किया।

कांग्रेसियों ने इन्दिरा गांधी की पुण्यतिथि व सरदार पटेल की जयन्ती मनाई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में कांग्रेसियों ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की 41 वीं पुण्य तिथि एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई। कांग्रेसियों ने एक तरफ जहां इन्दिरा प्रियदर्शनी पार्क स्थित स्थित इन्दिरा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया, वहीं दूसरी ओर देश के प्रथम गृह मंत्री रहेलौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती पर जिला कांग्रेस कार्यालय पर उनके चित्र पर फूल और माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि महापुरुषों की जयंती और पुण्य तिथि मनार हम उन महापुरुषों को सम्मान देकर जीवन से प्रेरणा लेते हैं। आज से 41 वर्ष पहले देश ने इन्दिरा गांधी के रूप मे ऐसा नेता खोया था, जिन्होंने 1971 में पाकिस्तान के दो टुकड़े करके इतिहास ही नहीं दुनिया का भूगोल ही बदल दिया था। उधर सरदार बल्लभ भाई पटेल ने देश के प्रथम गृह मन्त्री के रूप में राजा, रजवाडे और रियायतों मे बंटे देश को एक करने का काम किया। हमें गर्व है कि हम उस पार्टी के कार्यकर्त्ता हैं जिसे इन महान शख्सियतों ने अपने खून पसीने से सींचा। इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सतीश शर्मा पूर्व मंत्री, शशि भूषण शर्मा, ओमदत्त गुप्ता संगठन प्रभारी, उपाध्यक्ष अश्विनी त्यागी, सुनील चौधरी, डॉली त्यागी, नईम त्यागी, सुरेंद्र शर्मा, आबिद अली, हरीश कंसल, सुरेंद्र (बब्लू),उदय पाल सिंह, विनोद धामा, सविता गौतम, सविता जैसवाल, रूबी मलिक, समीना खातून, आरिफ राजा, भरत सिंह, कृपा शंकर, राजेश गुप्ता, सुनील कुमार, हसीन, ताहिर, देवदत्त शर्मा लज्जा यादव, सुशील शर्मा, उमेश शर्मा, विशंभर सिंह नेगी, राजा राम भारती राजकुमार शर्मा, महेंद्र गौतम, नेम त्यागी आदि ने भाग लिया।

सम्पादकीय

मतदाता सूची को 'शुद्ध' करने की योजना

निर्वाचन आयोग की ओर से हाल ही में बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के बाद अब दूसरे चरण के तहत बारह राज्यों में यही प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की अपनी अहमियत है। दरअसल, बिहार में यह सवाल उठाया गया था कि जब चुनाव के लिए बहुत कम वक्त बचा था, तब आयोग ने अचानक एसआइआर की शुरूआत क्यों कर दी और ऐसा केवल बिहार में क्यों किया गया। तब यह भी कहा गया कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने में पर्याप्त वक्त है, अगर वहां पहले एसआइआर कराया जाए तो बेहतर हो। मगर निर्वाचन आयोग शायद बिहार विधानसभा के लिए इसी चुनाव में मतदाता सूची को 'शुद्ध' करने की इच्छा रखता था, इसलिए काफी सवाल उठने के बावजूद आखिर एसआइआर को अंजाम दिया गया। अब अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुदुचेरी, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में एसआइआर होगा, जिसके बाद आयोग का मानना है कि इसके जरिए संबंधित राज्यों की मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाया जा सकेगा। ऐसी शिकायतें आती रही हैं कि चुनाव में कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से या फिर किसी का नाम एक से ज्यादा जगहों पर दर्ज था। इस तरह के कई अन्य मामलों के आधार पर मतदाता सूची में अपात्र लोगों के नाम हटाए जाने को लेकर आवाज उठती रही है। मगर बिहार में एसआइआर के क्रम में जिस तरह लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, उसे लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। कई राजनीतिक दलों ने आरोप लगाया कि एसआइआर के बहाने बड़ी संख्या में वैसे मतदाताओं के नाम भी सूची से हटा दिए गए, जो पात्र थे। आयोग की इस दलील से किसी को भी इनकार नहीं होगा कि किसी भी चुनाव में केवल वैध और पात्र मतदाताओं को मतदान करने का अधिकार हो। जिन लोगों का निधन हो गया है, जिनका नाम एक से ज्यादा जगहों पर मौजूद है या फिर जो स्थायी रूप से एक से दूसरे शहर में विस्थापित हो गए हैं, उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाए। मगर यह सवाल बना रहेगा कि मतदाता सूची में से किसी भी ऐसे व्यक्ति का नाम क्यों हटे, जो वैधता की कसौटी पर अपनी पूरी पात्रता रखते हैं। अब जिन राज्यों में एसआइआर की घोषणा हुई है, उसमें खबरों के मुताबिक, कोई कागज दिखाने की जरूरत नहीं होगी। मुख्य रूप से यह एक बड़ा बिंदु था, जिस पर बिहार में हुए एसआइआर के दौरान काफी सवाल उठाए गए थे। दरअसल, बिहार में एसआइआर के तहत मतदाता सूची में नाम कायम रखने के लिए आयोग ने कुछ दस्तावेज जमा करना अनिवार्य बना दिया था, जिसमें आधार को मान्य नहीं बताया गया। हालांकि इस मसले पर सर्वोच्च न्यायालय के दखल के बाद निर्वाचन आयोग को एसआइआर की प्रक्रिया में दस्तावेज और प्रक्रिया संबंधी शर्तों में बदलाव करने पड़े। इस सबके मद्देनजर आगे यह ध्यान रखने की जरूरत होगी कि एसआइआर की समूची प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता रखी जाए। इस संबंध में बिहार में हुए एसआइआर के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में जो सवाल उठे और उस अदालत की ओर से जो सुझाव या निर्देश सामने आए, उसे देखते हुए निर्वाचन आयोग अब एक ऐसे प्रारूप में एसआइआर की प्रक्रिया को संपन्न करा सकता है, जो पूरी तरह विवादरहित हो और जिससे किसी भी राजनीतिक दल को आपत्ति न हो।

ट्रंप के यू-टर्न से खुले भारत अमेरिका रिश्तों के नए रास्ते

पिछले कुछ समय से भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह के उतार-चढ़ाव लगातार कायम हैं, उसमें फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना मुश्किल है। मगर यह जरूर कहा जा सकता है कि अब फिर से संबंधों को सहज बनाने के अवसर निकाले जा रहे हैं, माहौल को सकारात्मक बनाया जा रहा है। मसलन, दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सीईओ शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ अमेरिका व्यापार समझौता कर रहा है। दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से गुरुवार को कहा गया कि अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह परियोजना पर अमेरिकी प्रतिबंधों से भारत को छह महीने की छूट दी है। गौरतलब है कि सितंबर के आखिर से अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह का संचालन करने वालों पर प्रतिबंध लागू कर दिया था। दरअसल, भारत ने पिछले वर्ष मई में चाबहार बंदरगाह के संचालन के लिए अगले दस वर्षों तक के लिए एक अनुबंध किया था। इससे भारत को मध्य एशिया के देशों के साथ व्यापार बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। यह इस लिहाज से अहम है कि विदेश की धरती पर भारत को पहली बार किसी बंदरगाह के प्रबंधन की जिम्मेदारी मिली थी। चाबहार बंदरगाह को अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे के लिए काफी महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इस मार्ग से भारत के लिए यूरोप तक पहुंचना आसान हो जाएगा। साथ ही इससे ईरान तथा रूस को भी लाभ मिल सकता है। मगर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने जब दूसरे देशों को अपनी नीतियों के मुताबिक संचालित करने के मकसद से शुल्क लगाने की घोषणा की, तब उसके लिए कुछ अन्य कदम भी उठाए, जिसमें रूस से तेल खरीदने के मसले पर भारत पर जुमार्ना लगाने से लेकर चाबहार बंदरगाह का संचालन करने वालों पर पाबंदी लगाना भी शामिल था। जाहिर है, यह नीति वास्तव में एक स्थिति से निपटने के लिए दूसरी नई समस्याओं को गढ़ना था, जिसका कोई औचित्य नहीं था। यह बेवजह नहीं है कि ट्रंप को अपनी ही घोषित नीतियों पर नरम पड़ने या उसमें बदलाव करने की जरूरत महसूस होती रही है। पिछले कुछ महीनों के दौरान अलग-अलग मुद्दों पर अपनी घोषणाओं के मसले पर उनके रुख में कई बार बदलाव देखा गया। यों भारत ने अपनी तरफ से किसी ऐसी नीति पर चलने का फैसला नहीं किया है, जिससे ऐसा लगे कि वह अमेरिका के हाल के फैसलों के खिलाफ कोई कदम उठा रहा है। मगर अमेरिका ने जब से अपने यहां आयातित वस्तुओं पर शुल्क लगाने की नीति लागू की और उसका दायरा बढ़ाता गया, उसमें यह साफ दिखा कि उसके मुख्य निशाने पर भारत है। अमेरिका की शुल्क नीति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक तरह से अघोषित व्यापार युद्ध की स्थिति पैदा करने की कोशिश के तौर पर देखा गया। यह स्वाभाविक ही है कि इससे प्रभावित होने वाला कोई भी देश अपनी स्थिति को संतुलित रखने के लिए वैकल्पिक उपायों की खोज करता। भारत के सामने भी यही स्थिति है और इसी क्रम में इसने रूस के साथ तेल सौदे से लेकर कूटनीतिक कोशिशों सहित अन्य कई पहलकदमी की। अब अगर अमेरिका संबंध सहज करने के मकसद से फिर नए रास्ते तैयार करने की कोशिश में है, तो इसे सकारात्मक माना जा सकता है। यों भी, दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाना वक्त की जरूरत है, जिसका प्रभाव दूरगामी होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस दिशा में अमेरिका अब कोई ठोस कदम उठाएगा।

घोषणापत्र: वादों की बारिश के बीच मतदाता को क्या भायेगा?

बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और महागठबंधन (INDIA ब्लॉक) दोनों ने अपने-अपने घोषणापत्र जारी कर दिए हैं। पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्रियों जीतन राम मांझी, चिराग पासवान तथा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की मौजूदगी में एनडीए ने अपना विस्तृत घोषणापत्र प्रस्तुत किया। एनडीए के घोषणापत्र में एक करोड़ रोजगार, महिलाओं के सशक्तिकरण, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे में निवेश पर जोर दिया गया है। घोषणापत्र में हर जिले में मेगा स्किल सेंटर, औद्योगिक पार्क, महिला उद्यमिता मिशन, खेती के लिए एमएसपी की गारंटी, और सात नए एक्सप्रेसवे जैसी योजनाओं की घोषणा की गई है। इसके साथ ही गरीबों के लिए 50 लाख नए घर, 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली, मुफ्त राशन और बेहतर शिक्षा-स्वास्थ्य ढांचा का वादा किया गया है।

राजग के घोषणा पत्र के प्रमुख प्रावधानों में पिछड़े वर्गों के लिए विशेष आर्थिक सहायता का भी उल्लेख है। आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईबीसी) को सरकार 10 लाख रुपये की सहायता देगी और उनके हितों के लिए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोग गठित किया जाएगा। इसके अलावा, कृषि क्षेत्र के लिए राजग ने कपूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि शुरू करने की घोषणा की है, जिसे केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से लागू किया जाएगा। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी दी जाएगी और कृषि अवसंरचना में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। घोषणापत्र में कहा गया है कि बाढ़ प्रभावित उत्तर बिहार को अगले पांच वर्षों में पूरी तरह इस समस्या से मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। शहरी विकास के तहत चार और शहरों में मेट्रो रेल सेवा शुरू करने की घोषणा भी की गई है। राजधानी क्षेत्र में न्यू पटना नामक एक हरित (ग्रीनफील्ड) परियोजना विकसित की जाएगी। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सीतामढ़ी के पुनौरा धाम जानकी मंदिर को सीतापुरम के रूप में विकसित किया जाएगा। घोषणा पत्र में यह भी कहा गया है कि बिहार से विदेशी उड़ानें शुरू की जाएंगी और कई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे बनाए जाएंगे। साथ ही, राज्य में 10 नए औद्योगिक पार्क स्थापित किए जाएंगे और प्रत्येक जिले में फैक्टरी एवं विनिर्माण इकाइयां शुरू की जाएंगी। राजग ने वादा किया है कि अगले पांच वर्षों में राज्य में 50 लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया जाएगा, जिससे औद्योगिक क्रांति की गारंटी सुनिश्चित होगी। शिक्षा के क्षेत्र में राजग ने केजी से पीजी तक निशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वादा किया है। अनुसूचित जाति के उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 2,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। राजग ने गरीब और वंचित वर्गों के लिए पंचामृत गारंटी की घोषणा की है, जिसके तहत मुफ्त राशन, पांच लाख रुपए तक का मुफ्त उपचार, 50 लाख पक्के मकान और सामाजिक सुरक्षा पेंशन सुनिश्चित की जाएगी राजग ने घोषणापत्र में कहा कि खेल के क्षेत्र में राज्य में बिहार स्पोर्ट्स सिटी का निर्माण किया जाएगा ताकि युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं मिल सकें। संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। घोषणा पत्र के अनुसार, गिग वर्कर्स और ऑटो चालकों को वित्तीय सहायता और कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। भाजपा ने कहा, यह घोषणापत्र प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और नीतीश कुमार के भरोसे का प्रतीक है।

दूसरी ओर, महागठबंधन ने अपने घोषणापत्र जिसे तेजस्वी प्रण' नाम दिया गया है, में हर परिवार को एक सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हम सत्ता में आए तो 20 दिन में हर परिवार को एक नौकरी दी जाएगी। घोषणापत्र में जीविका दीदी को स्थायी सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, पुरानी पेंशन योजना लागू करने, आउटसोर्स और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को नियमित करने और युवा, किसान व महिला सशक्तिकरण से जुड़ी 25 प्रमुख घोषणाएँ शामिल हैं।

देखा जाये तो बिहार की राजनीति में घोषणापत्र अब केवल नीतिगत दस्तावेज नहीं रहे, बल्कि भावनात्मक प्रोपेगेंडा बन चुके हैं। इस बार दोनों खेमों ने वादों की ऐसी बारिश की है कि आम मतदाता के लिए असली और नकली बादल में फर्क करना मुश्किल हो गया है। एनडीए का घोषणापत्र दिखने में व्यावहारिक और संरचनात्मक है– यह विकास, उद्योग और स्थिरता की बात करता है। वहीं महागठबंधन का घोषणापत्र भावनात्मक है– यह नौकरी, वेतन और सरकारी स्थायित्व जैसे सीधे वादे करके युवाओं के दिलों को छूने की कोशिश करता है।

एनडीए ने इस बार गारंटी को मुख्य शब्द बनाया है। मोदी की गारंटी और नीतीश का भरोसा, यह नारा सीधे जनता की याद्दाश्त में बैठाने की रणनीति है। घोषणापत्र का फोकस बुनियादी ढांचे पर है। जैसे- 7 एक्सप्रेसवे, 3,600 किमी नई रेल लाइनें, हर जिले में मेडिकल कॉलेज और औद्योगिक पार्क का वादा किया गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या बिहार में उद्योग लगाने का माहौल तैयार है? बिजली, भूमि, कानून व्यवस्था और मानव संसाधन, ये चारों चुनौतियाँ अभी भी गंभीर हैं।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान-राम का दिव्य जीवन)

भाग 40

गतांक से आगे ....

महर्षि भारद्वाज मुनि महाराज के यहाँ, भगवान राम,लक्ष्मण,विश्वामित्र के सहित ज्ञान और विज्ञान की वात्ताएँ और विज्ञान में उड़ान उड़ते रहें हैं। छ माह तक ब्रह्मचारी सुकेता ने और ब्रह्मचारिणी शबरी ने और भगवान राम ने नाना यन्त्रों का निर्माण किया। वह काल जब स्मरण आने लगता है,तो हृदय गद-गद हो जाता है,कि हमारे यहाँ ब्रह्मचारियों ने अपने जीवन में कितना तप किया है क्योंकि वह यन्त्रों का निर्माण करना, धातु पदार्थो को जानना और वायुमण्डल में नाना लोक-लोकान्तरों में अपना यातायात बनाना,यह मानव के मस्तिष्कों में,विज्ञान परम्परागतों से ही,राष्ट्रीय सम्पदा बन करके रहा है।

मुझे वह स्मरण है,भगवान राम ने,जब अहिल्या कृतिभा यन्त्रों का निर्माण कियाऔर महर्षि विश्वामित्र ने धनुर्याग करने के पश्चात भारद्वाज मुनि के यहाँ, नाना प्रकार की विद्याओं को पान करने के पश्चात,अयोध्या के लिए गमन करने से पूर्व पत्रिकाएं में जब भोज होने लगा,राजा जनक के यहाँ, क्योंकि राजा जनक हमारे यहाँ, परम्परागतों से ही,आध्यात्मिकवाद में भी और राष्ट्रीय पालन पोषण करने में भी उनका एक आदर्श रहा है। मुझे राजा जनक का वह काल स्मरण है,जब राजा जनक के यहाँ,कृषकों ने अकर्तव्यवादी बन गएं कुषकों ने अन्न की उत्पति करने में अपना सहयोग नहीं दिया,राष्ट्र को अब राजा जनक ने विचारा, कि हमें क्या करना चाहिए? तो राजा जनक ने, स्वर्ण का एक हल निर्माणित करते हुए, उन्होंने पृथ्वी में गऊ के बछड़े को ले करके, पृथ्वी के माता वसुन्धरा के द्वार पर पंहुचे।

तो माता वसुन्धरा में वृष्टि होने लगी,एक आभा में,उनका राष्ट्र बन गया। जहाँ राजा जनक कृषक बने,वहाँ ब्रह्मवेत्ता भी इसी प्रकार के विशाल राजा जनक के यहाँ नित्यप्रति याग होता रहता था। वह

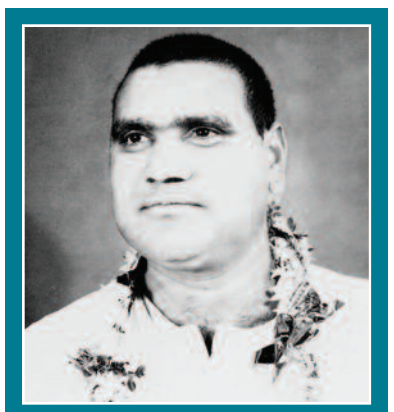

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

बड़े देव पूजा वाला याग भी और ब्रह्मयाग भी होता रहा। उनके यहाँ,ऋषि-मुनि आते रहते और ऋषि-मुनि यही निर्णित कराते कि आत्मा को जानने का प्रयास करो, ज्ञान होना चाहिए और ज्ञान बिना राष्ट्र कोई महान नहीं कहलाता।

उसी राजा जनक के यहाँ, राज स्वयंवर हुआ। सीता,उर्मिला इत्यादि चार पुत्रियाँ थी, राजा जनक के यहाँ जिनका संस्कार अयोध्या पुरी में राजा दशरथ के यहाँ रघुवंश में उनका संस्कार हुआ,संस्कार होने के पश्चात,जब राम ज्ञान और विज्ञान की शिक्षा पाने के पश्चात अयोध्या में आ गएं और तो ऋषि-मुनियों की पुनः एक सभा हुई, और ऋषि-मुनियों की ऐसी सभा हुई, जिसमें सर्वत्र विवेकी पुरूष आ पंहुचे। महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज से वैशम्पायन और कुक्कुट मुनि ने यह प्रश्न किया कि महाराज! यदि राम को अयोध्या का राज प्राप्त हो जाता है, अयोध्या के नरेश बन जाते हैं,तो यह जो आतातायी रावण का राष्ट्र चला आ रहा है इसका क्या बनेगा, तो महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज ने कहा भई! इसके ऊपर बुद्धिमानों का विचार-विनिमय होना चाहिए। उनका विचार-विनिमय होता रहा ,एक दिवस तो प्रातःकाल से सांयकाल तक, उनका विचार-विनिमय होता रहा,महाराज शिव को भी पुनः निमन्त्रण दिया,और यह निश्चय हुआ कि भई! महाराजा शिव की अध्यक्षता में यह सभा होगी। देवर्षि नारद और भी नाना ऋषि महर्षि कुक्कुट और ब्रह्मचारी कवन्धी गार्गे भी उस सभा में विद्यमान थे।

एक समय तो महात्मा दधीचि भी आश्रम में आ गएं और महात्मा दधीचि ने क्योंकि भयंकर वनों में वह सभा थी, और सभा में यह निश्चय हुआ,कि कोई रूप रेखा ऐसी निर्माणित की जाए,कि राम को राजतिलक न प्राप्त हो करके, वह भयंकर वनों में अपने जीवन को तपश्चर व्यतीत करते हुए और रावण जैसे आतातायी को,जिनका राष्ट्र विशाल है,जिनके राष्ट्र में सूर्य अस्त होता है,न उदय होता है। ऐसे राष्ट्र में, जो त्रास दिया किया जा रहा है, समाज को बुद्धिजीवी प्राणियों पर आक्रमण हो रहे हैं,बुद्धिमानों पर आताताथी आ रहा है,यह नहीं होना चाहिए। क्योंकि राजा के राष्ट्र में जहाँ विज्ञान है,जहाँ नाना प्रकार की आभाएं हैं वहाँ और भी नाना चचाएंं होती रहती हैं। क्रमशः.......

एसआईआर की सार्थक पहल का विरोध नहीं, स्वागत हो

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष ग्रहण पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरूआत करने की घोषणा करके चुनाव विसंगतियों एवं कमियों को दूर करने का सराहनीय एवं साहसिक कार्य किया है। यह पहल न केवल तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया भर है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने की एक निर्णायक कोशिश है।

लोकतंत्र की आत्मा उसके निर्वाचन तंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता में बसती है और चुनाव आयोग का यह कदम उसी दिशा में एक ठोस, सकारात्मक और आवश्यक प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया से सबक लेते हुए इस बार आयोग ने प्रक्रिया के लिए अधिक समय दिया है, ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफरातफरी से बचा जा सके। आधार कार्ड को एक सहायक दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल बनेगी। निश्चित ही इस बार 12 राज्य संख्या में ज्यादा हैं तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप हैं, इनमें से केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल विधानसभा चुनाव है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया। आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआईआर में इसे एक डॉक्युमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है। मतदाता सूची की सटीकता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता लोकतंत्र की रीढ़ है।

भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में मतदाता सूची की सटीकता सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिये एक निश्चित अन्तराल के बाद एसआईआर की प्रक्रिया होते रहना अपेक्षित है। इसके पहले एसआईआर करीब दो दशक पहले किया गया था। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर में इतना अंतराल न आने पाए, क्योंकि अब लाखों लोग नौकरी-पेशे के चलते अन्यत्र चले जाते हैं।

इनमें से अधिकांश वहीं बस जाते हैं। कई बार देखा गया है कि मृत व्यक्तियों के नाम सूची में बने रहते हैं, वहीं नये पात्र नागरिकों के नाम दर्ज नहीं हो पाते। ग्रामीण इलाकों से लेकर महानगरों तक, इस विसंगति के चलते मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है और चुनावी परिणामों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगता है। एसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को

वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह पहल-इन खामियों को दूर करने की दिशा में एक संगठित और वैज्ञानिक लोकतांत्रिक प्रयास है। यदि यह कार्य धरातल पर ईमानदारी से लागू हुआ, तो यह मतदाता सूची की पवित्रता और लोकतंत्र की गरिमा दोनों को बढ़ाएगा।

लोकतंत्र के लिये यह बहुत जरूरी है, इसके लिये राजनीतिक दलों की भूमिका एवं सहयोग अपेक्षित है, वे इस प्रक्रिया को सकारात्मक दृष्टि से लें। इस सराहनीय एवं नितांत अपेक्षित उपक्रम के लिये विपक्षी दलों के द्वारा विरोध का वातावरण बनाना एवं आस्तीनें चढ़ाना उनकी विश्वसनीयता एवं जिम्मेदारी पर प्रश्न खड़ा करता है। अक्सर देखा गया है कि जब चुनाव आयोग सुधारात्मक कदम उठाता है, तो विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। परंतु लोकतंत्र का स्वास्थ्य तब ही सुदृढ़ होगा जब सभी दल 'पारदर्शिता' को 'राजनीतिक लाभ-हानि' से ऊपर रखेंगे। विपक्ष को चाहिए कि वह इस पहल का विरोध करने की बजाय स्वागत करे और इसे सही दिशा में लागू कराने में सहयोग दे, न कि शंका और अविश्वास के चश्मे से देखे। बहरहाल, राजनीतिक पार्टियों की यह महती जिम्मेदारी है कि वे सिर्फ दोषारोपण करने तक सीमित न रहें, बल्कि इस पूरी प्रक्रिया में अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। इसी तरह, नागरिक संगठनों के लिए भी यह सक्रिय होने का समय है। उनकी निगरानी बीएलए के काम को अधिक सरल व सटीक बना सकती है। कुल मिलाकर पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का सपना दिखाने वाले चुनाव आयोग के सामने अभी अपनी इस प्राथमिक जिम्मेदारी को ही निर्विवाद रूप से पूरा करने की चुनौती है।

डिजिटल युग में चुनाव सुधार केवल मानव संसाधन या प्रशासनिक इच्छाशक्ति का नहीं, बल्कि तकनीकी पारदर्शिता का भी प्रश्न है। बायोमेट्रिक सत्यापन, ऑनलाइन नामांकन और डेटा क्रॉस-वेरिफिकेशन जैसे उपाय अब आवश्यक हो चुके हैं। विशेष ग्रहण पुनरीक्षण इस दिशा में आधारभूत कार्य करेगा यानी चुनावी डाटा की सफाई और पुनर्गठन। भारत की चुनावी प्रक्रिया विश्व में सबसे बड़े लोकतांत्रिक अभ्यास के रूप में जानी जाती है।

लेकिन यह गौरव तभी सार्थक होगा जब मतदाता सूची, मतदान केंद्रों की निष्पक्षता और आचार संहिता के पालन में कोई संदेह न रहे। चुनाव आयोग की यह पहल उसी लक्ष्य की ओर एक ठोस कदम है।

लोकतंत्र केवल मतों की गिनती नहीं, बल्कि विश्वास की गिनती है और यह विश्वास चुनाव आयोग की ईमानदारी, पारदर्शिता और सक्रियता पर टिका है। जन-प्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 21 चुनाव आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और उनको संशोधित करने का अधिकार देती है। मतदाता सूचियों को दुरुस्त करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की अनिवार्य आवश्यकता भी है। विडंबना यह है कि कुछ दलों को इस आवश्यकता की पूर्ति किया जाना रास नहीं आ रहा है।

उन्होंने बिहार में एसआईआर को लेकर आसमान सिर पर उठाया और वोट चोरी के जुमले के सहारे सड़कों पर उतरने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। मगर उनकी दाल न सुप्रीम कोर्ट के समक्ष गली और न ही बिहार की जनता के बीच तो इसीलिए कि वे कोरा दुष्प्रचार कर रहे थे।

ज्ञानेश कुमार की यह पहल केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति में नवीनीकरण का संदेश है। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास की परीक्षा भी है। यदि यह अभियान ईमानदारी और जनसहभागिता के साथ पूरा होता है, तो यह भारत के लोकतंत्र को और परिपक्व बनाएगा। अब जिम्मेदारी केवल चुनाव आयोग की नहीं, बल्कि हर नागरिक और राजनीतिक दल की भी है कि वे इस सुधारात्मक पहल का स्वागत करें और लोकतंत्र के इस महापर्व को निष्कलंक बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं। क्या यह विचित्र नहीं कि विपक्षी दल मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों की शिकायत भी करते हैं और उनके पुनरीक्षण का विरोध भी?

हालांकि उनके दुष्प्रचार की पोल खुल चुकी है, फिर भी चुनाव आयोग को इसके लिए तैयार रहना होगा कि विपक्ष शासित राज्य एसआईआर की प्रक्रिया का विरोध कर सकते हैं। उसे इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि मतदाता सूचियों को ठीक करने की प्रक्रिया में किसी तरह की गलती न होने पाए, क्योंकि विपक्षी दल छोटी-छोटी बातों को तूल देकर इस संवैधानिक प्रक्रिया को श्रीहीन करने की चेष्टा कर सकते हैं।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

कचरे से बढ़ेगी नगर पालिका की आय

विश्व बंधु शास्त्री

खेकड़ा (बागपत)। खेकड़ा को स्वच्छ और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में नगर पालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (Solid Waste Managemen) को नई गति देने जा रही है। शनिवार को जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने नगरपालिका क्षेत्र में स्थापित एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर का निरीक्षण किया और बंद पड़ी मशीनों को तत्काल क्रियाशील करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि एमआरएफ सेंटर को पूर्ण क्षमता से संचालित किया जाए ताकि कस्बे को कूड़े-कचरे की समस्या से राहत मिल सके। वेस्ट टू वेल्थ मॉडल पर आधारित इस सेंटर पर हर दिन लगभग पांच टन गीले और सूखे कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से पृथक्करण और प्रोसेसिंग किया जाएगा। इससे खेकड़ा को 'जीरो वेस्ट सिटी' बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठेगा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सेंटर की सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। पाया गया कि चार मशीनों में से दो मशीनें बंद हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र मरम्मत कर कार्यशील कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने ईओ हरिलाल पटेल को निर्देशित किया कि कूड़े के पृथक्करण के बाद प्राप्त सामग्री का अधिकतम पुनर्चक्रण (Recycling) किया जाए ताकि नगर पालिका की राजस्व आय में वृद्धि हो और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिले। उन्होंने कहा कि धातु, कागज, ई-वेस्ट आदि अपशिष्टों के पुनर्चक्रण व विक्रय से नगर पालिका को आर्थिक लाभ होगा। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने कहा कि कचरे को केवल निस्तारण के रूप में नहीं, बल्कि संसाधन के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि हम कचरे का पुनर्चक्रण करना सीख लें, तो यही समस्या हमारे लिए अवसर बन सकती है। उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग को निर्देशित किया कि जिले की सड़कों के निर्माण में प्लास्टिक कचरे के उपयोग की दिशा में ठोस पहल की जाए। उन्होंने कहा कि 'वेस्ट टू रोड' की अवधारणा पर्यावरण संरक्षण और स्थायी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे एक ओर प्लास्टिक कचरे का उपयोग होगा तो दूसरी ओर सड़कों की मजबूती भी बढ़ेगी। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अतुल कुमार, ईओ हरिलाल पटेल, तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने किया हाई-टेक नर्सरी का निरीक्षण कर दिए किसानों को उन्नत तकनीकों से जोड़ने के निर्देश

विश्व बंधु शास्त्री

बागपत। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने आज जिले के खेकड़ा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के परिसर में स्थापित हाई-टेक नर्सरी का निरीक्षण किया।

इस नर्सरी में मौसमी हरी सब्जियों और चिया बीज आदि की फसल तैयार की जा रही है। बैंगन, टमाटर, मिर्च जैसी सब्जियों की खेती यहां आधुनिक तकनीकों के साथ हो रही है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नर्सरी में बीज चयन, पौध तैयार करने की तकनीक और प्रसार के उपायों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि आधुनिक बीज और नियंत्रित वातावरण में पौध तैयार करने से किसानों को बाजार-तैयार उत्पाद प्राप्त होंगे। इसके साथ ही चिया और अन्य हाई-टेक पौध उत्पादन के मॉडल को गांव-गांव तक पहुँचाने पर बल दिया गया। हाई-टेक नर्सरी तकनीकी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण पहल है, जहाँ वैज्ञानिक मापदंडों के अनुसार पौध तैयार किए जा रहे हैं। इसके अलावा, बैंगन, टमाटर और मिर्च जैसी उच्च मांग वाली सब्जियों की खेती में इससे उत्पादकता बढ़ने की संभावना है, जिससे किसानों की आय में सुधार होगा।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि नियमित प्रशिक्षण और कार्यशालाओं का आयोजन कर किसानों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाए।

इस दौरान कृषि उपनिदेशक विभाति चतुर्वेदी, जिला कृषि अधिकारी बाल गोविंद यादव, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक मौजूद रहे।

बागपत में गांव-गांव बनेंगे बर्तन बैंक, सामाजिक कार्यक्रमों में होगा कम खर्च

- सोमवार को ग्वालीखेड़ा में जिलाधिकारी करेंगी जनपद के पहले 'बर्तन बैंक' का शुभारंभ

विश्व बंधु शास्त्री

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में ग्रामीणों की आवश्यकता के दृष्टिगत एक अनोखी और प्रेरणादायक पहल की शुरूआत हो रही है। ग्राम पंचायतों में 'बर्तन बैंक' स्थापित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सामुदायिक आयोजनों में प्लास्टिक और पत्तल-दोने के उपयोग को कम करना और गांव के लोगों को विवाह समारोह, जन्मदिन एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में सुविधा प्रदान करना है। अब किसी ग्रामीण को अपने सामुदायिक, सामाजिक अथवा निजी कार्यक्रमों के लिए बर्तन खरीदने या किराए पर लेने की चिंता नहीं रहेगी क्योंकि ग्राम पंचायत का बर्तन बैंक उन्हें कम शुल्क पर यह उपलब्ध कराएगा।

बर्तन बैंक को ग्राम पंचायत खुद संचालित करेगी। बाजार शुल्क के आधे मूल्य पर बर्तन उपलब्ध होंगे, जिसमें खाना पकाने से लेकर परोसने तक के सभी बर्तन शामिल हैं। यह पहल प्रत्येक विकास खंड में लागू की जा रही है और इसके लिए प्रत्येक ब्लॉक से गांवों का चयन किया गया है। बागपत ब्लॉक में ग्वालीखेड़ा, बड़ौत में मलकपुर, बिनौली में दाहा और निरपुडा, खेकड़ा में काठा और छपरौली ब्लॉक में रमाला व पिलाना गांव को इस योजना में शामिल किया गया है। जिलाधिकारी अस्मिता लाल 03 नवंबर को ग्वालीखेड़ा से इस सामाजिक और पर्यावरणीय पहल का शुभारंभ करेंगी। इस पहल से न केवल ग्रामीणों को राहत मिलेगी, बल्कि ग्राम पंचायत की आय भी सृजित होगी। साथ ही, यह कदम स्थानीय पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को भी बढ़ावा देगा। यह बर्तन बैंक जिम्मेदारी का प्रतीक बनेगा और यह संदेश देगा कि सुविधा के बजाय जिम्मेदारी चुने।

आमतौर पर कार्यक्रमों में प्लास्टिक का प्रयोग इसलिए ज्यादा होता है क्योंकि उसमें खाना खाने के बाद उसे फेंकना आसान होता है जबकि प्लास्टिक में खाने के कई नुकसान है जो हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। सबसे जरूरी है जिम्मेदारी का भाव। जब हम प्लास्टिक के बजाय बर्तन बैंक से बर्तन किराए पर लेंगे तो इससे जो ग्राम पंचायत को पैसा जाएगा वह हमारे गांव को बेहतर बनाने में ही खर्च होगा।

बर्तन बैंक में थाली, ग्लास, चम्मच, जग, परात (स्टील एवं सिल्वर), भगौने, बाल्टी, कुकर, सिल्वर टब और कलचे, पोनी, पलटे आदि शामिल हैं। इसे ग्राम पंचायत घर में स्थापित किया जाएगा, जहां से ग्रामीण अपनी आवश्यकतानुसार सामूहिक या निजी आयोजनों के लिए बर्तन ले सकेंगे। यह पहल न केवल खर्च कम करेगी बल्कि समाज में सहयोग और साझा उपयोग की भावना को भी मजबूत करेगी।

पहले चरण में प्रत्येक विकास खंड की पंचायतों का चयन कर बर्तनों की आवश्यकता का सर्वेक्षण किया गया है। भंडारण स्थल और रिकॉर्ड प्रणाली भी तैयार की गई है। लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी स्वयं इस अभियान का उद्घाटन करेंगी।

बर्तन बैंक की व्यवस्था में समय-समय पर प्रतिक्रिया के आधार पर सुधार किए जाएंगे। सफल पंचायतों के अनुभवों के आधार पर इसे अन्य गांवों और कस्बों में भी लागू करने की योजना है। इस पहल के मुख्य उद्देश्य हैं: प्लास्टिक और पेपर बर्तनों के उपयोग में कमी लाना, कचरे में कमी करना, ग्रामीणों में सहयोग और आत्मनिर्भरता की भावना का विकास करना और व्यक्तिगत आयोजनों में अतिरिक्त बर्तन खरीदने का खर्च घटाना। भविष्य में आवश्यकतानुसार बर्तन बैंक में अन्य उपयोगी वस्तुएं भी जोड़ी जा सकेंगी। इसके संचालन और प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए निगरानी और मूल्यांकन की रूपरेखा बनाई जाएगी।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल को आधुनिक अखण्ड भारत का शिल्पकार बताया गया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। राष्ट्रीय एकता के प्रतीक एवं भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर देशभर से पधारे प्रख्यात शिक्षाविद्, साहित्यकार और विद्वानों ने सरदार पटेल के योगदान को नमन करते हुए उन्हें 'आधुनिक अखण्ड भारत का शिल्पकार' करार दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के पटेल सभागार में संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे, जिला अभियोजन अधिकारी श्री कृष्ण कान्त तिवारी, विख्यात महाकवयित्री डॉ. मधु चतुर्वेदी, प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. राहुल अवस्थी एवं कुलसचिव प्रो. पीयूष कुमार पाण्डेय द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि सरदार पटेल ने न केवल स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को देश से बाहर निकालने का कार्य किया, बल्कि स्वतंत्र भारत की 562 रियासतों को एक ध्वज के नीचे संगठित कर भारत की एकता और अखण्डता को साकार रूप दिया। उन्होंने दृढ़ निश्चय, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के माध्यम से सच्चे नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत किया।

प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरदार पटेल जैसी अदम्य इच्छाशक्ति और प्रशासनिक दक्षता वाला व्यक्तित्व भारत के इतिहास में दूसरा नहीं हुआ। यदि आज का युवा उनके आदर्शों को आत्मसात कर ले, तो भारत पुनः विश्व गुरु बनने की राह पर अग्रसर हो जाएगा।

विख्यात साहित्यकार एवं ओज कवि डॉ. राहुल अवस्थी ने कहा कि विद्यार्थियों को सरदार पटेल के जीवन से दृढ़ता, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा लेकर उनके राष्ट्रवादी विचारों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। वहीं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. मधु चतुर्वेदी ने कहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल ने देशवासियों को स्वाभिमान और आत्मगौरव से जीवन जीना सिखाया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल नारसन, कुलसचिव प्रो. पीयूष कुमार पाण्डेय, एवं थानाध्यक्ष कोमल तोमर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डायरेक्टर (एकेडमिक) प्रो. राजेश सिंह, डॉ. योगेश्वर शर्मा, डॉ. थॉमस, डॉ. मोहित शर्मा, डॉ. एस.एन. साहू, डॉ. नीतू पंवार, डॉ. ओमप्रकाश गोसाई, डॉ. आशुतोष, डॉ. स्नेहलता गोस्वामी, डॉ. अंजलि भारद्वाज, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. अश्वनी सक्सेना, डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, डॉ. सुमन, मेरठ परिसर से निदेशक डॉ. प्रताप, तथा मीडिया प्रभारी विश्वास राणा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। संगोष्ठी का संचालन डीन, स्कूल ऑफ लॉ डॉ. राजवर्द्धन सिंह ने किया।

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों ने आजादी के दीवानों दी श्रद्धांजलि!

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

रुड़की। प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को प्रातः 10 बजे 10 मिनट शहीदों के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत आज रुड़की के ऐतिहासिक सुनहरा वट वृक्ष शहीद स्मारक,रुड़की ब्लाक कार्यालय स्तिथ स्वतंत्रता सेनानी स्तम्भ व ब्लॉक भगवानपुर में भी शहीद स्मृति स्तंभ पर स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों के उत्तराधिकारियों ने अपने पूर्वजों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। देशभर में यह प्रोग्राम विभिन्न स्वतंत्रता सेनानी संगठनों द्वारा चलाया जा रहा है। रुड़की व भगवानपुर स्थित स्मृति स्तंभ व शहीद स्मारक पर राष्ट्रगान के बाद सभी उत्तराधिकारियों ने अपने पूर्वज स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीगोपाल नारसन ने अपने मुख्य सम्बोधन में सुनहरा वट वृक्ष पर मौजूद अतिक्रमण का मुद्दा उठाया, साथ ही जिन शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों ने देश के लिए बलिदान दिया व संघर्ष किया,उनके वंशजो को पर्याप्त सम्मान व संरक्षण सरकार दे,तभी शहीदों के सपनो का भारत बन सकता है ।कार्यक्रम में महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित ताराचंद वत्स के उत्तराधिकारी श्रीपाल वत्स ,योगेंद्र आत्रेय, नरेंद्र सैनी,डॉ संजय कुमार चौबे,तुषार गौतम, प्रदीप गौतम आदि मौजूद रहे ।जबकि भगवानपुर में नरदेव त्यागी नन्हेड़ा अनंतपुर,

रविंद्र राणा कुंजा बहादुरपुर, विशेष सैनी, निवेदिता सैनी, मोहित सैनी, कविता सैनी, राजीव सैनी, उत्तराखंड कांग्रेस स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष नवीन शरण निश्चल, और प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सैनी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी हापुड़ के मार्गदर्शन में तरंग टीम ने देखते ही देखते मेले मार्ग किया कचरा रहित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गढ़मुक्तेश्वर। खादर क्षेत्र में लगने वाले ऐतिहासिक व प्राचीन मेले में प्रथम बार जिलाधिकारी जनपद हापुड़ अभिषेक पांडे के कुशल नेतृत्व में पर्यावरणविद् भारत भूषण गर्ग के द्वारा वॉलिंटियर्स के साथ मुख्य मार्गो की सफाई के साथ ही साथ दुकानदारों एवं आम जनमानस को कचरा ना फैलाने के लिए प्रेरित किया गया वॉलिंटियर्स को जिला प्रशासन के द्वारा तरंग नाम प्रदान किया गया है। आज जब तरंग टीम मेला क्षेत्र में सफाई के लिए उतरी तब एक अलग ही दृश्य उपस्थित हो गया आम जनमानस रुक-रुक कर पूछने लगा कि आप लोग यह क्यों कर रहे हो तब वॉलिंटियर्स के द्वारा बताया गया कि जब मानव के द्वारा फैलाए गए कचरे को एक मानव को ही साफ करना पड़ता है तो वह कोई बहुत अच्छा संदेश नहीं जाता है अतः आप सब लोग निश्चित स्थान पर रखे हुए डस्टबिनों में ही अपना कूड़ा कचरा डालें उपस्थित जनों ने इस महत्वपूर्ण कार्य में अपना सहयोग करने का आश्वासन दिया।

सफाई का कार्य शक्ति चौक से प्रारंभ होकर मेले के मुख्य मार्ग से होता हुआ घाट नंबर 7,8,9 व 10 से होते हुए जिलाधिकारी के कैंप कार्यालय पहुंचा जहां पूरी टीम का स्वागत नायब तहसीलदार वेद प्रकाश सोनी वह डीपीआरओ हापुड़ शिव बिहारी शुक्ला ने किया। वॉलिंटियर्स के साथ सफाई कार्य में मेला इंस्पेक्टर नीरज कुमार ने अपनी टीम के साथ सहयोग किया जिसके लिए उन्हें बूढ़ी गंगा के संयोजक भारत भूषण गर्ग ने तरंग का कैप पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर सभी वॉलिंटियर्स का मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम ने उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि आपका यह कार्य सेवा कार्य के साथ ही साथ प्रेरणादाई भी है जब युवाओं को समाज अच्छा कार्य में लगे हुए देखता है तब वह स्वयं भी उनके साथ लग जाता है। आप सबका यह कार्य निश्चित रूप से मेला क्षेत्र के लिए एक प्रभावी भूमिका तय करेगा इस अवसर पर वॉलिंटियर्स में रेनबो पब्लिक स्कूल डहरा कुटी महाराजा अग्रसेन सरस्वती शिशु मंदिर बहादुरगढ़ का प्रमुख रूप से सहयोग रहा। इस अवसर पर लोक भारती के सह प्रांत संयोजक मूलचंद आर्य जिला संयोजक व ग्राम प्रधान टीकम सिंह सह जिला संयोजक विनोद कुमार आशीष कुमार आकाश चौधरी, अक्षय त्यागी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्वर्गद्वारी पुष्पावती पूठ धाम पर तरंग वॉलिंटियर्स ने किया सफाई का कार्य

गढ़मुक्तेश्वर। ऐतिहासिक व प्राचीन धार्मिक स्थल स्वर्गद्वारी में आज लोकभारती व स्वामी विवेकानंद विचार मंच के संयुक्त तत्वाधान में तरंग वॉलिंटियर्स ने घाट की साफ सफाई का कार्य किया घाट की सफाई करते हुए पर्यावरणविद् भारत भूषण गर्ग ने कहा कि यह घाट गढ़मुक्तेश्वर के समकालीन ही नहीं पर उससे भी पुरातन घाट है इस घाट पर ही कौरव पांडवों ने गुरु द्रोणाचार्य से शिक्षा प्राप्त की थी यहां पर कार्तिक पूर्णिमा के स्नान के अवसर पर एक बड़ा मेला भरता है जिसकी व्यवस्थाएं यहां गंगा सभा प्रशासन के साथ मिलकर करती है। तरंग वॉलिंटियर्स की कमान संभाल रहे गंगा सभा के उपाध्यक्ष महेश केवट ने कहा कि इस घाट पर अभी ठेकेदार के द्वारा कोई भी व्यवस्था नहीं कराई गई है जो भी व्यवस्थाएं हो रही हैं वह स्थानीय पुलिस के साथ गंगा सभा एवं तरंग वॉलिंटियर्स ही कर रहे हैं।

दिल्ली से पधारे प्रमुख समाजसेवी विष्णु दत्त गुप्ता ने सभी वॉलिंटियर्स का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि आप सबके इस सेवा कार्य के परिणाम स्वरुप ही हम जैसे लोग यहां तक आते हैं। उन्होंने कहा कि यह घाट अत्यंत ही धार्मिक भाव के साथ एक नई ऊर्जा प्रदान करता है यहां जो अलौकिक तरंगे मां को शांति प्रदान करती है वह अन्य कहीं भी नहीं करती हैं। इस अवसर पर बादल गौतम कर्मपाल रोहित सैनी सौरभ गुप्ता अमित गुप्ता सुनील लोधी सहित आने को तरंग वॉलिंटियर्स उपस्थित रहे।

लखनऊ में शीघ्र तैयार होगा 'नौसेना शौर्य संग्रहालय'

भारतीय नौसेना की अदम्य वीरता और सामुद्रिक क्षमता का जीवंत प्रतीक होगी यह परियोजनाः मुख्यमंत्री

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में राजधानी लखनऊ में प्रस्तावित 'नौसेना शौर्य संग्रहालय' की प्रस्तुति का अवलोकन करते हुए इसके शीघ्र निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारतीय नौसेना की अदम्य शौर्यगाथाओं और हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की सामुद्रिक क्षमता का जीवंत प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि समुद्र भारत की सभ्यता का मंथन स्थल रहा है, और भारतीय नौसेना उस गौरवशाली परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। लखनऊ का यह संग्रहालय उसी परंपरा को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम बनेगा।

बैठक में बताया गया कि संग्रहालय का स्वरूप एक जहाज के अमूर्त रूप में होगा। जहाज की रेलिंग, पोर्थोल जैसी खिड़कियाँ, नौसैनिक वास्तुकला और समुद्री प्रतीकों के साथ इसे विशिष्ट पहचान दी जाने की योजना है। परिसर में इंटरप्रिटेशन सेंटर, सेंट्रल डेक, ओपन एयर मेमोरियल, थीमैटिक वॉकवे, प्रदर्शनी गैलरी, फाउंटेन और लाइट-एंड-साउंड एरिना शामिल होंगे। डिजाइन को ऊर्जा-संवेदनशील रखा गया है, जिसमें प्राकृतिक रोशनी, वेंटिलेशन और हरित निर्माण तकनीक का उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालय को केवल देखने योग्य नहीं बल्कि 'अनुभव का केंद्र' बनाया जाए, जहाँ दर्शक इतिहास को महसूस कर सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि डिस्प्ले में डिजिटल, इंटरएक्टिव और इमर्सिव तकनीकों का प्रयोग हो, ताकि लोग नौसेना के अभियान, युद्ध और तकनीकी प्रगति को प्रत्यक्ष अनुभव कर सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि नौसेना संग्रहालय में छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में आवश्यक जानाकरी उपलब्ध कराई जाए। प्रस्तुति में बताया गया कि परियोजना दो प्रमुख हिस्सों में विकसित हो रही है। पहली-'आईएनएस गोमती शौर्य स्मारक' और दूसरी-'नौसेना शौर्य वाटिका'। बताया गया कि 'आईएनएस गोमती (ऋ21)' गोदावरी श्रेणी का स्वदेशी मिसाइल फ्रिगेट है जिसने 34 वर्षों तक भारतीय नौसेना में सेवा दी और 'ऑपरेशन कैक्टस', 'ऑपरेशन पराक्रम' जैसे अभियानों में भाग लिया। इसे संरक्षित कर संग्रहालय परिसर में प्रदर्शित किया जाएगा ताकि नागरिक और युवा उसकी बहादुरी की कहानी को प्रत्यक्ष देख सकें। मुख्यमंत्री ने 'नौसेना शौर्य वाटिका' को परियोजना का विशेष आकर्षण बताते हुए इसके शीघ्र पूर्ण होने के निर्देश दिए। इस वाटिका में टीयू-142 विमान, जो 29 वर्षों तक नौसेना की समुद्री निगरानी और आपदा राहत अभियानों में सक्रिय रहा, स्थापित किया जा रहा है। साथ ही सी किंग एसके-42बी हेलीकॉप्टर की प्रदर्शनी भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वाटिका युवाओं को आधुनिक नौसैनिक अभियानों और प्रौद्योगिकी से जोड़ने वाला सजीव अनुभव स्थल बनेगी। बैठक में बताया गया कि संग्रहालय परिसर में 7ऊ थिएटर, एयरक्राफ्ट कैरियर लैंडिंग सिम्युलेटर, वॉरशिप सिम्युलेटर, सबमर्ज्ड द्वारका मॉडल, डिजिटल वाटर स्क्रीन शो, मरीन लाइफ एक्वेरियम तथा 'ड्रेस लाइक योर हीरोज' जैसी सहभागितापरक गतिविधियाँ होंगी। इसके अतिरिक्त नौसेना के वीरता पुरस्कारों, ऐतिहासिक अभियानों और स्वदेशी रक्षा नवाचारों से जुड़ी इंटरएक्टिव गैलरियाँ भी विकसित की जाएंगी। परियोजना की निगरानी हेतु महानिदेशक पर्यटन की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है, जिसमें मेरिटाइम हेरिटेज सोसाइटी, यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन और नौसेना विशेषज्ञ सम्मिलित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश में समुद्री गौरव की वह चेतना पुनः जागृत होगी जो कभी भारत के तटीय व्यापार और हिंद महासागर की सांस्कृतिक कड़ी रही है। उन्होंने कहा, लखनऊ का यह संग्रहालय भारतीय नौसेना की वीरता का ही नहीं, बल्कि भारत की समुद्री आत्मा का भी प्रतीक बनेगा। यह उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक नई, गौरवपूर्ण पहचान देगा।

काशी की सनातन परंपरा, गंगा आराधना और लोक आस्था का अद्वितीय संगम है देव दीपावलीः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की देव दीपावली तैयारियों की समीक्षा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में 05 नवम्बर को वाराणसी में आयोजित होने वाली देव दीपावली 2025 की तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देव दीपावली काशी की सनातन परंपरा, गंगा आराधना और लोकआस्था का अद्वितीय संगम है। यह पर्व भारत की उस अनादि परंपरा का सजीव प्रतीक है, जहाँ दीप केवल ज्योति नहीं, बल्कि धर्म, कर्तव्य और राष्ट्रभाव का प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी की देव दीपावली का आयोजन इस प्रकार किया जाए कि यह भारत की सांस्कृतिक आत्मा और आध्यात्मिक चेतना का विश्व संदेश बने।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि देव दीपावली से पूर्व आयोजित गंगा महोत्सव (01 से 04 नवम्बर) और मुख्य आयोजन देव दीपावली (05 नवम्बर) की सभी तैयारियाँ समयबद्ध, व्यवस्थित और उच्च गुणवत्ता की हों। घाटों की प्रकाश सज्जा, दीपदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जनसहभागिता की तैयारियाँ इस प्रकार हों कि श्रद्धा, अनुशासन और सौंदर्य का संतुलन प्रदर्शित हो। उन्होंने कहा कि गंगा तट पर दीपदान का दृश्य श्रद्धा और अनुशासन की मिसाल बने। इसके लिए घाटों पर भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या अवरोध न हो।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन, नगर निगम, पुलिस, जल पुलिस, संस्कृति, सिंचाई, पीडब्ल्यूडी, विद्युत व स्वास्थ्य विभागों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि वे अपनी जिम्मेदारी के अनुरूप आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि देव दीपावली के अवसर पर घाटों पर स्मार्ट लाइटिंग, आकर्षक फ्लोरल डेकोरेशन, थीम-आधारित इंस्टालेशन तथा ड्रोन और सीसीटीवी मॉनिटरिंग की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि घाटों, गलियों और प्रमुख मार्गों की सफाई और सजावट पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा प्रत्येक घाट पर पर्याप्त सफाई कर्मी तैनात रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कंट्रोल रूम 247 सक्रिय रहे और कमांड सेंटर से सीसीटीवी फीड की निगरानी निरंतर की जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त शौचालय, पेयजल व्यवस्था, चिकित्सीय सहायता और प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित किए जाएँ। घाटों के समीप आपातकालीन नौका एवं एम्बुलेंस सेवाएँ उपलब्ध रहें। नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें लाइफ जैकेट, पंजीकरण टैग और निर्धारित रूट की जानकारी दी जाए।

मुख्यमंत्री ने नमो घाट, राजघाट, राजेन्द्र प्रसाद घटा, दशाश्वमेध घाट सहित सभी प्रमुख घाटों पर आयोजित होने वाले दीपोत्सव की तैयारियों की भी समीक्षा की और कहा कि वहाँ दीप सज्जा, पर्यटक सुविधाएँ और सुरक्षा उपाय उच्च स्तर पर किए जाएँ। उन्होंने कहा कि नाविक समुदाय काशी की परंपरा का अभिन्न हिस्सा है, उनका उत्साह और योगदान देव दीपावली की गरिमा को और बढ़ाता है। प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि उन्हें पर्याप्त सहयोग मिले और श्रद्धालुओं को सुरक्षित नौका सेवाएँ प्राप्त हों।

बैठक में बताया गया कि चेत सिंह घाट पर 25 मिनट की प्रोजेक्शन सहित प्रतिदिन 03 बार लेजर शो का आयोजन करने की योजना है। इसी तरह, काशी विश्वनाथ घाट और चेत सिंह घाट के बीच रेत की सैंड आर्ट इंस्टॉलेशन लगाई जाएगी। ग्रीन आतिशबाजी, लेजर शो और संगीत कार्यक्रम के साथ काशी विश्वनाथ धाम घाट के सामने 10 मिनट का ग्रीन फायरक्रैकर शो आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देव दीपावली का आयोजन 'क्लीन काशी, ग्रीन काशी, डिवाइन काशी' के भाव को साकार करने वाला हो। घाटों से लेकर गलियों तक स्वच्छता, सुगमता और प्रकाश व्यवस्था बनी रहे।

भारत के शौर्य, स्वाभिमान और सांस्कृतिक वैभव का प्रेरणास्थल होगा छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालयः मुख्यमंत्री

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में आगरा में बन रहे छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारत के स्वाभिमान, सांस्कृतिक वैभव और वीरता का प्रेरणास्थल बनेगा। मुख्यमंत्री ने अब तक की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए शेष कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए और कहा कि भवन का निर्माण कार्य जनवरी तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए, ताकि संग्रहालय का स्वरूप देने का काम तय समय पर पूरा हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संग्रहालय केवल इतिहास का स्थिर प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव होना चाहिए, जहाँ आगंतुक भारत की गौरवगाथा को महसूस कर सकें। उन्होंने निर्देश दिया कि संग्रहालय की प्रत्येक गैलरी को ऐसी थीमैटिक और इंटरएक्टिव प्रस्तुति दी जाए, जिससे आगंतुक केवल दर्शक न रहकर सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री ने 'शिवाजी एवं द ग्रेट एस्केप गैलरी' के संबंध में निर्देश दिए कि इसमें आगरा किले से छत्रपति शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक मुक्ति की घटना को 7ऊतकनीक, डिजिटल साउंड, लाइट और विजुअल इफेक्ट्स के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए ताकि आगंतुक उस क्षण की वीरता और रणनीति को सजीव रूप में अनुभव कर सकें। उन्होंने कहा कि यह अनुभाग शिवाजी महाराज के स्वराज्य संकल्प का प्रतीक बने। मुख्यमंत्री ने 'अग्रदूतों की गैलरी' में प्रथम स्वाधीनता संग्राम 1857 के अमर सेनानियों से जुड़ी वस्तुओं, स्मृतियों और दस्तावेजों को सुरक्षित प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह गैलरी उन अग्रदूतों की गाथा कहे जिन्होंने स्वतंत्रता की नींव रखी। यहाँ झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, नाना साहेब, तात्या टोपे और अनेक वीरों की स्मृतियाँ आधुनिक तकनीक के साथ प्रदर्शित हों। मुख्यमंत्री ने 'त्योहारों की गैलरी' के संबंध में कहा कि इसमें काशी की महाशिवरात्रि और देव दीपावली, ब्रज का श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और रंगोत्सव, तथा प्रयागराज का महाकुंभ जैसे उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्वों का जीवंत चित्रण हो। उन्होंने निर्देश दिया कि यहाँ केवल तस्वीरें न लगाई जाएं, बल्कि प्रत्येक पर्व को इंटरएक्टिव अनुभव के रूप में प्रस्तुत किया जाए, जहाँ प्रकाश, ध्वनि, संगीत और रंगों के माध्यम से आगंतुक उत्सव का अनुभव कर सकें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 'नदियों की गैलरी' में गंगा, यमुना, सरयू और घाघरा जैसी नदियों से जुड़ी आस्था, संस्कृति और लोकजीवन का सजीव चित्रण हो।

नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचना अब होगा और आसान

सड़क, रेल और बस–हर माध्यम से मिलेगी तेज, आरामदायक और सीधी पहुंच

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। नोएडा के जेवर में बना नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जल्द ही शुरू होने जा रहा है। एयरपोर्ट को दिल्ली-एनसीआर, आगरा, अलीगढ़, मथुरा, मेरठ और हरियाणा जैसे क्षेत्रों से जोड़ने के लिए बहु-माध्यमीय (multi-modal) परिवहन व्यवस्था तैयार की जा रही है। इसका मकसद यात्रियों, पर्यटकों और उद्योगों को एयरपोर्ट तक पहुंचने का तेज, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल साधन देना है।

एयरपोर्ट सीधे यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ा है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे (बल्लभगढ़ लिंक) बनने से हरियाणा और पश्चिम भारत की दिशा से भी सुगमता बढ़ी है। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से एयरपोर्ट को जोड़ने का काम तेजी से चल रहा है, जिससे गाजियाबाद, मेरठ, पलवल और सोनीपत से भी सीधा रास्ता मिलेगा। वहीं, औद्योगिक और मालवाहक ट्रैफिक के लिए उत्तर और पूर्व एक्सेस रोड लगभग बनकर तैयार हैं। जबकि, सेक्टर-28 की 60 मीटर चौड़ी सेवा सड़क को भी यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ा गया है, ताकि स्थानीय यातायात सुचारू रहे। दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट तक रीजनल रैपिड रेल परियोजना का डीपीआर राज्य सरकार ने मंजूर कर दिया है। रेल मंत्रालय भी एयरपोर्ट को चोला-रुंधी रेल लाइन से जोड़ने की तैयारी कर रहा है। साथ ही, दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में जेवर स्टेशन का प्रावधान किया गया है। एयरपोर्ट को आसपास के शहरों और मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने के लिए UPSRTC के साथ समझौता किया गया है। उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के साथ भी अंतरराज्यीय बस सेवा की सहमति बन चुकी है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण मिलकर 500 इलेक्ट्रिक बसें चलाएं गे, जो यात्रियों को एयरपोर्ट तक पर्यावरण-अनुकूल यात्रा सुविधा देंगी।

लौह पुरुष सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर यूपी पुलिस आयोजित करेगी 'रन फॉर यूनिटी'

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश में एक बार फिर एकता, अखंडता और राष्ट्रीय समरसता का संदेश गूंजेगा। 31 अक्टूबर को यूपी पुलिस प्रदेश के सभी जिलों और पुलिस कमिश्नरेट मुख्यालयों पर 'Runf for Unity' कार्यक्रम का भव्य आयोजन करेगी। पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) एलआर कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम भारत की एकता और अखंडता के प्रति नागरिकों की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी थानों, स्कूलों, कॉलेजों, एनसीसी, स्काउट्स और स्थानीय नागरिकों की सहभागिता के साथ यह दौड़ आयोजित होगी, जिसमें तिरंगे झंडे और राष्ट्रीय नारों के साथ देशभक्ति का वातावरण बनेगा। उन्होंने बताया कि 'रन फॉर यूनिटी' सुबह 7 से 10 बजे के बीच आयोजित की जाएगी।

प्रत्येक थाने या पुलिस मुख्यालय से 1 से 1.5 किलोमीटर की दूरी तक दौड़ का आयोजन होगा। मार्ग का चिन्हांकन, दिशा संकेतक, बैरिकेडिंग और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम में प्रशिक्षणरत महिला व पुरुष आरक्षी, विद्यालयों व महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं, एनसीसी कैडेट, स्काउट, पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी और प्रमुख खेल हस्तियां भी भाग लेंगी। इस अवसर पर प्रतिभागियों के हाथों में तिरंगा लहराएगा, जो एकता और सौहार्द का प्रतीक बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया गन्ना किसानों से सीधा संवाद

अन्नदाता किसानों का अपमान करके कोई देश या राज्य कभी उन्नति नहीं कर सकताः मुख्यमंत्री

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य बढ़ोतरी के ऐतिहासिक निर्णय से उत्साहित प्रदेश के गन्ना किसानों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अभिवादन किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने गन्ना किसानों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद पहली बार खेती और किसानों का हित सरकारों के एजेंडे में आया है। जिस मिट्टी में फसल पैदा होती है, उसके सेहत ही सुधि किसी को नहीं थी परंतु मोदी जी ने स्वॉयल हेल्थ कार्ड की व्यवस्था की। पीएम किसान सम्मान निधि ने रोजमर्रा के काम के लिए साहूकारों के जाल से किसानों को मुक्ति दिलाई है।

अब सीधे बैंक अकाउंट में जा रहा पैसा

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के पहले दिन ही हमने 86 लाख किसानों की कर्जमाफी का वादा पूरा किया। बीते साढ़े 08 वर्षों में 23 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि सिंचित की गई है।

तब भी मेहनत किसान की, फसल किसान की, लेकिन मुनाफा बिचौलियों को मिलता था। हमने इस व्यवस्था को बदला और आज जिसका खेत, उसी से खरीद करते हुए सीधा उसके बैंक अकाउंट में पैसा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना क्षेत्र में नया निवेश आ रहा है। गन्ना अब सीजनल नहीं रहा, वर्षपर्यंत का कार्यक्रम है। कहीं सीबीजी, कहीं डिस्टिलरी, कहीं कोजन प्लांट सब कुछ आगे बढ़ रहा है। सम्मान तो सरकार का नहीं, अन्नदाता किसान का होना चाहिए, जिन्होंने यूपी को चीनी, गन्ना व एथेनाल उत्पादन में देश में नम्बर एक कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2007 से 2017 तक मात्र 1,47,346 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान हो सका था। 2017 से अब तक साढ़े 08 वर्ष में 2,90,225 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान हुआ। पिछली सरकारों के 10 वर्षों की तुलना में हमारी सरकार में 1,42,879 करोड़ रुपये अधिक भुगतान हुआ। सीएम ने कहा कि ढाई करोड़ लोग गन्ना सेक्टर से जुड़े हुये हैं।

सरकार सबका ध्यान रखेगी। अन्नदाता किसान सहयोग करें, सरकार सब सुविधा उपलब्ध कराएगी।

यह फैसला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दूरदर्शी और किसान हितैषी निर्णयः लक्ष्मी नारायण

गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि लगभग आठ वर्ष पहले गन्ना किसानों के बीच दो शब्द बहुत प्रचलित थे– 'गन्ना माफिया' और 'घटतौली'। साढ़े आठ वर्ष के बाद ये दोनों शब्द आज उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों के जीवन से पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं। तब ऐसे लोग निर्णय लेते थे, जिनका गन्ने से कोई लेना–देना नहीं था, आज तो एक प्रगतिशील किसान ही मुख्यमंत्री हैं। उत्तर प्रदेश में अब तक किसी भी सरकार ने अपने कार्यकाल में गन्ना मूल्य में 80 रुपये तक की वृद्धि नहीं की थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का यह निर्णय दूरदर्शी और किसान हितैषी है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि योगी जी के नेतृत्व से पहले प्रदेश में गन्ना किसानों का एक ही काम रह गया था, आंदोलन करना। कारण भी स्पष्ट था, उनका भुगतान वर्षों तक लंबित रहता था। आज स्थिति पूरी तरह बदल गई है। अब एक सप्ताह के भीतर भुगतान हो रहा है। किसानों को उत्तम गुणवत्ता का खाद, बीज और सिंचाई सुविधा मिल रही है। इसी का परिणाम है कि गन्ना क्षेत्रफल 20 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 29 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गया है। गन्ना किसानों को उन्नत तकनीक उपलब्ध कराने की दिशा में अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का लाभ शीघ्र ही प्रदेश के किसानों तक पहुंचेगा।

चीनी मिलों के माध्यम से 10 लाख परिवारों को मिली आजीविका

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्ट गन्ना किसान' प्रणाली से गन्ना पर्ची व्यवस्था पूरी तरह ऑनलाइन हुई और बिचौलियों का राज खत्म किया गया। अब किसी को सिफारिश की जरूरत नहीं है। इसी तरह और तकनीकी नवाचार भी किये जायेंगे। अकेले चीनी मिलों के माध्यम से 10 लाख परिवारों को आजीविका मिली है। सरकार ने खांडसारी को भी प्रोत्साहित किया है। जहां जरूरत होगी, सीबीजी प्लांट लगेगा। चीनी मिल लगेगी, एथेनाल प्लांट लगेगा। सब होगा।

पहले की सरकारों में बंद और बिक रही थीं चीनी मिलें

मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता किसानों का अपमान करके कोई देश या राज्य कभी उन्नति नहीं कर सकता। चौधरी चरण सिंह कहते थे कि देश की खुशहाली का रास्ता किसानों के खेत से होकर जाता है, लेकिन पूर्व की सरकारों ने किसानों की उपेक्षा की और नतीजा उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य हो गया। प्रदेश को बीमारू बनाने के पीछे सत्ता के लोगों की बीमार मानसिकता थी। उन्हें अपने परिवार की चिंता थी। पहले की सरकारों में चीनी मिल बंद हो रही थीं, बिक रहीं थीं। हमने यह रोका। आज 08 वर्ष बाद 4 नई चीनी मिलें स्थापित हुईं। 6 बंद मिलें पुनः शुरू हुईं और 42 मिलों में क्षमता विस्तार हुआ। 8 नई बड़ी मिलों के बराबर उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई और 2 मिलों में सीबीजी संयंत्र स्थापित किया गया।

सेहत/स्वास्थ्य

वैज्ञानिकों का 'महाठंड' अलर्ट, सर्दी-जुकाम से बचने के लिए अभी से घर में रखें ये 4 रामबाण चीजें

अधिक सर्दी और प्रदूषण होने के कारण लोगों को इंफेक्शन, फ्लू, बुखार, खांसी, ठंड लगना और अपर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन आदि हो सकता है। खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों की सेहत ज्यादा बिगड़ सकती है। क्योंकि बच्चों और बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम काफी कमजोर होता है।

इस बार की सर्दी को लेकर अभी से वैज्ञानिक चेतावनी जारी करने में लगे हैं। ला नीना इफेक्ट की वजह से इस बार के मानसून में भारी बारिश देखने को मिली है। एक्सपर्ट के अनुसार, अगर यह इफेक्ट जारी रहता है, तो उत्तर भारत में इस बार भयंकर ठंड हो सकती है। इसके अलावा इंफेक्शन और पॉल्यूशन आदि का भी खतरा लोगों पर मंडरा सकता है। अधिक सर्दी और प्रदूषण होने के कारण लोगों को इंफेक्शन, फ्लू, बुखार, खांसी, ठंड लगना और अपर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन आदि हो सकता है। खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों की सेहत ज्यादा बिगड़ सकती है। क्योंकि बच्चों और बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम काफी कमजोर होता है। ऐसे में आप भी पंसारी से 4 चीजें लाकर घर में रखें और सर्दियां पड़ने पर इनका इस्तेमाल करें।

पीपली पाउडर

एक्सपर्ट के अनुसार, सर्दियों में पीपली का सेवन जरूर करना चाबिए। रोजाना इसका पाउडर कुछ चुटकी लेकर शहद के साथ खाना चाहिए। इसकी तासीर गर्म होती है, जोकि आपको सर्दी-खांसी से बचाने का काम करती है। यह पेट में अग्नि बढ़ाती है, जोकि ठंड में आमतौर पर काफी कम होती है।

मुलेठी

ठंड लगने की वजह से गले में सूजन, खराबी और दर्द की शिकायत हो सकती है। इसके लिए मुलेठी या फिर इसके पाउडर का सेवन करना चाहिए। इससे न सिर्फ गले में आराम मिलेगा, बल्कि खांसी और अपर रेस्पिरेटरी सिस्टम भी सही रहेगा।

सोंठ

अदरक को सुखाकर बनाए जाने वाले पाउडर को सोंठ कहा जाता है। सोंठ अदरक के मुकाबले ज्यादा गर्म होता है। इस कारण सर्दियों में सोंठ का सेवन किया जाता है। फ्लू, बुखार और कमजोर पाचन से यह बचाता है। इसमें एंटी इंफ्लामेटरी, एंटी बैक्टीरियल और एंटी माइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं।

गुड़

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक ठंड के मौसम में गुड़ का सेवन जरूर करना चाहिए। क्योंकि इस दौरान प्रदूषण बढ़ने से फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है। रात में थोड़ा सा गुड़ खाने से सांस नली और मुंह में अटके प्रदूषण कण से राहत मिलती है। हालांकि डायबिटीज के रोगियों को गुड़ का सेवन डॉक्टर की सलाह पर करना चाहिए।

इन मसालों का इस्तेमाल करें

बता दें कि ऊपर बताई गई चीजों के अलावा खाने में मसालों का इस्तेमाल जरूर करें। अदरक, हल्दी, दालचीनी और कालीमिर्च का सेवन आपके रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और आपको बीमार पड़ने से बचाता है। रोजाना नीम और तुलसी की पत्तियां चबाकर जरूर खाना चाहिए।

ब्यूटी / फैशन

मेकअप से चुटकियों में छुपाएं ओपन पोर्स, पाएं फ्लॉलेस और स्मूथ चेहरा!

ओपन पोर्स के कारण मेकअप फ्लॉलेस नहीं दिखता। इस समस्या को दूर करने और स्मूथ चेहरा पाने के लिए, पहले त्वचा को अच्छे से साफ कर हाइड्रेट करें। फिर, सिलिकॉन-बेस्ड पोर-फिलिंग प्राइमर, कंसीलर और अंत में ट्रांसलूसेंट पाउडर का सही इस्तेमाल करें, जिससे मेकअप बेदाग और पोर्स छुपे हुए दिखेंगे।

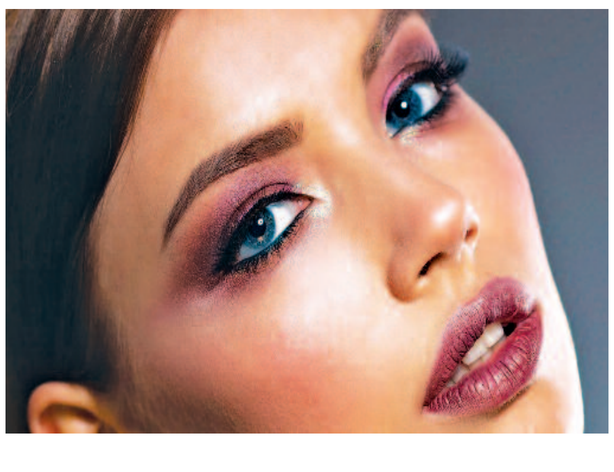

कई बार जब मेकअप करते हैं, तो स्किन स्मूद बिल्कुल नहीं होती है। ओपन पोर्स की वजह मेकअप फ्लॉलेस नहीं दिखता है। स्किन पर ओपन पोर्स होने के कारण मेकअप का लुक एकदम बेकार हो जाता है। वैसे तो इन पोर्स से बचने के लिए स्किन केयर किया जाता है लेकिन फिर भी यह चेहरे से पूरी तरह गायब नहीं होते हैं। अब आपने मेकअप को स्मूद और फ्लॉलेस बनाने के लिए इन मेकअप टिप्स को जरुर फॉलो करें।

फेस को अच्छे से क्लीन करें

मेकअप करने से पहले यह जरुरी होता है कि स्किन को अच्छे से साफ कर लिया जाए। इसके लिए माइल्ड क्लींजर की मदद लें और इसे हाइड्रेट करने के लिए आप ऑयल-फ्री और नॉन कॉमेडोजेनिक मॉइश्चराइजर अप्लाई कर सकते हैं। यदि आपकी स्किन ऑयली है तो जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर लगाएं। क्योंकि गंदगी, ऑयल और ड्राई स्किन के कारण ओपन पोर्स ज्यादा दिखते हैं। स्किन हाइड्रेट रहे और फुल टाइट दिखती है, जिससे पोर्स छोटे लगते हैं।

सिलिकॉन बेस्ड पोर-फिलिंग प्राइमर का यूज करें

जब आप मेकअप करें तो प्राइमर का यूज करें। यह लाइट और सिलिकॉन बेस्ड प्राइमर होना चाहिए। आप प्राइमर को पोर्स वाली जगहों जैसे कि नाक, गाल व माथे पर लगाएं। यह आपकी स्किन को स्मूद बनाएगा। इसके साथ ही यह आपके ओपन पोर्स को छिपाने मदद करेगा।

कंसीलर को स्मार्टली अप्लाई करें

यह प्रकार का स्मार्ट हैक है। कंसीलर की मदद से पोर्स को छिपाया जा सकता है। ऐसे में जहां पोर्स नजर आ रहे हैं वहां पर कंसीलर अप्लाई कर सकते हैं।

आपके पास कंसीलर नहीं है, तो आप फाउंडेशन अप्लाई कर सकते हैं। यह आपकी स्किन को नेचुरल और स्मूद लुक देगा। इसे आप स्पॉन्ज या उंगली से हल्के हाथों से अप्लाई करें। इसके बाद आप ट्रांसलूसेंट पाउडर को सेट कर सकते हैं। यह पाउडर एक्स्ट्रा ऑयल सोखता है और इससे आपके ओपन पोर्स कम नजर आएंगे। इसका यूज करते समय ध्यान रखें कि इसका ज्यादा यूज न करें, वरना आपकी स्किन केकी लगेगी और ऊपर से पोर्स दिखने लगेंगे।

पर्यटन

पालमपुर के नजदीक ये एडवेंचर हिल स्टेशन हैं पर्यटकों के छिपे हुए खजाने, तुरंत बनाएं प्लान

> पालमपुर शहर को काफी कम लोग हिल स्टेशन मानते हैं। इसलिए लोग पालमपुर के आसपास में स्थित खूबसूरत और शानदार हिल स्टेशन की तलाश में रहते हैं। हम आपको पालमपुर के आसपास में स्थित कुछ शानदार हिल स्टेशन्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित पालमपुर एक खबूसूरत पहाड़ी शहर है। पालमपुर अपनी खूबसूरती के अलावा हरे-भरे चाय के बागानों और धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं के लिए भी जाना जाता है। पालमपुर अपने सुंदर और अलौकिक प्राकृतिक दृश्यों के लिए भी जाना जाता है। लेकिन इस शहर को काफी कम लोग हिल स्टेशन मानते हैं। इसलिए लोग पालमपुर के आसपास में स्थित खूबसूरत और शानदार हिल स्टेशन की तलाश में रहते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पालमपुर के आसपास में स्थित कुछ शानदार हिल स्टेशन्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप अपने परिवार, पार्टनर और दोस्तों के साथ सुकून के पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

धर्मशाला

पालमपुर के आसपास जब भी किसी खूबसूरत हिल स्टेशन घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले लोग धर्मशाला का रुख करते हैं। आप अगर धर्मशाला घूमने जा रहे हैं, तो यहां से करीब 5 किमी दूर स्थित मैक्लोडगंज भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। गर्मियों में मैक्लोडगंज और धर्मशाला घूमने के लिए देश के हर कोने से पर्यटक घूमने पहुंचते हैं। जून-जुलाई के महीने में भी यहां पर ठंडी-ठंडी हवाएं चलती हैं।

मुख्य आकर्षण
- भागसू वाटरफॉल
- धर्मकोट
- धर्मशाला टी गार्डन

बीर बिलिंग

समुद्र तल से करीब 2 हजार मीटर की ऊंचाई पर बीर बिलिंग स्थित है। यह हिमाचल प्रदेश का एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह जगह अधिक पैराग्लाइडिंग के लिए जाना जाता है। पैराग्लाइडिंग के लिए बीर बिलिंग दुनिया भर के पर्यटक पहुंचते हैं। यहां पर आप ट्रेकिंग से लेकर कैंपिंग और हाइकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। गर्मियों में भी यहां का मौसम सुहावना होता है।

मुख्य आकर्षण
- बीर सनसेट पॉइंट
- चोकलिंग मठ
- गुनेहर वॉटरफॉल

बरोट हिल स्टेशन

हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में स्थित बरोट हिल स्टेशन एक छिपा हुआ खजाना माना जाता है। बरोट अपने घने जंगह, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, झील-झरनों और देवदार के बड़े-बड़े पेड़ों के लिए जाना जाता है। यहां की ठंडी हवाओं में आप अपने परिवार, पार्टनर और दोस्तों के साथ सुकून के पल बिता सकते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए भी स्वर्ग माना जाता है।

मुख्य आकर्षण
- बरोट मंदिर
- बाडा ग्रान ट्रेक
- लापस वॉटरफॉल

कुल्लू

कुल्लू हिमाचल प्रदेश का एक बेहद खूबसूरत जिला और हिल स्टेशन है। यह मंडी-मनाली राजमार्ग पर पड़ता है, जोकि अपने शांत वातावरण और खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यहां पर आपको ऊंचे-ऊंचे पहाड़, झील-झरने और घास के मैदान देखने को मिलेंगे। जून की छुट्टियों में कई लोग कुल्लू घूमने के लिए पहुंचते हैं।

मुख्य आकर्षण
- फ्रेंडशिप पीक
- नग्गर कैसल
- भृगु झील

घरेलू नुस्खे

बदबूदार किचन टॉवल को बनाएं नए जैसा, बस अपनाएं ये असरदार घरेलू नुस्खे

अगर आपके किचन में रखा टॉवल बदबू मारने लगा है, या फिर उसमें तेल की गंदी स्मेल आती है, तो आज कुछ आसान उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप टॉवल से आने वाली बदबू कम की जा सकती है।

घर को साफ रखने की चाहत हर महिला की होती है। लेकिन कुछ छोटी-मोटी चीजें घर की खूबसूरती को खराब कर देती हैं और हेल्थ रिलेडेट प्रॉब्लम भी लेकर आती हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने घर के किचन को खूबसूरत बनाने की कोशिश करती हैं, लेकिन फिर भी छोटी-छोटी चीजें किचन की खूबसूरती को खराब कर सकती हैं। अगर आपके किचन में रखा टॉवल बदबू मारने लगा है, या फिर उसमें तेल की गंदी स्मेल आती है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए कुछ आसान उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप टॉवल से आने वाली बदबू कम की जा सकती है।

यहां जानिए गंदी स्मेल दूर करने के उपाय

अगर आपके किचन में भी सफाई करने वाला टॉवल बदबू मारने लगा है, तो आप कम समय में इसको आसानी से साफ कर सकती हैं। इसके लिए एक बड़े चौड़े बर्तन में पानी गर्म कर लें। फिर इसमें थोड़ा सा डिटर्जेंट और सफेद सिरका मिलाएं। जब यह पानी में अच्छे से घुल जाए, तो इसमें टॉवल को 20-30 मिनट के लिए भिगोकर रख दें। फिर दोबारा साफ पानी से धोकर धूप में सुखा लें। ऐसा करने से टॉवल की गंदगी दूर होगी और स्मेल भी गायब हो जाएगी।

नमक और थोड़ा डिटर्जेंट

आप किचन के गंदे टॉवल से गंदी स्मेल दूर करने के लिए आप बड़े बर्तन में गर्म पानी लें। अब इस पानी में नींबू की कुछ बूंदे मिलाएं। फिर इसमें नमक और थोड़ा सा डिटर्जेंट डाल दें। अब इस मिश्रण में टॉवल को 20-25 मिनट तक भिगोकर रखें। इसके बाद टॉवल को साफ पानी से धोकर धूप में सुखा लें।

बेकिंग सोडा

इसके अलावा आप इन कपड़ों से गंदी बदबू को कम करने के लिए तेज गर्म पानी में बेकिंग सोड मिक्स करके इसमें नींबू के रस की कुछ बूदें मिला दें।

अब दोनों कपड़ों को 30 मिनट तक भिगोकर रखें और कुछ देर के लिए इस कपड़े को पानी में रहने दें। फिर थोड़ी देर बाद टॉवल को साफ पानी से धोकर धूप में सुखा लें। इस टिप्स की सहायता से आप किचन के गंदे टॉवल से सारी गंदगी और बदबू को कम कर सकती हैं।

मोदी शुगर मिल में गन्ना पेराई सत्र का हुआ शुभारंभ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर । मोदी शुगर मिल्स द्वारा गन्ना पेराई सत्र 2025-26 का शुभारम्भ पूरे हर्ष उल्लास व मंत्रोचारण एवं हवन का आयोजन किया गया तत्पश्चात प्रातः केन कैरियर में डा० मंजु शिवाच, विधायक, मोदीनगर एवं मिल प्रबन्धकगण तथा क्षेत्र के गणमान्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि द्वारा द्वारा गन्ना डालकर शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड ने अपने शुभकामना सन्देश में डी०डी० कौशिक महाप्रबन्धक एवं वेदपाल सिंह मलिक उपाध्यक्ष को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे यह जानकर हर्ष हुआ है कि मोदी शुगर मिल्स मोदीनगर जनपद में एक मात्र शुगर मिल है ।

मोदी शुगर मिल में गन्ना पेराई सत्र 2025-26 का शुभारम्भ दिनांक 1 नवंबर से शुरु हो गया है। मैं मोदी शुगर मिल के प्रबन्धन एवं जनपद गाजियाबाद के तथा अन्य जनपदों के समस्त किसान जो अपने गन्ने की आपूर्ति मोदी शुगर मिल्स में करते हैं, को हार्दिक बंधाई देता हूँ तथा उनके आशा करता हूँ कि वे अपनी पूर्ण क्षमता एवं महनत से शासन प्रशासन द्वारा समस्त निदेर्शों का पालन करेंगें जो शुगर मिल एवं गन्ना किसानों के हित में होगा। विधायक डा० मंजू शिवाच द्वारा मिल गेट पर प्रथम ट्रैक्टर ट्रॉली से गन्ना आपूर्ति करने वाले कृषक कौशल कुमार निवासी सीकरी कलों को सम्मानित किया गया एवं राजन चौधरी चेयरमैन गन्ना समिति, मोदीनगर द्वारा द्वितीय पुरूस्कार रामवीर सिंह निवासी ग्राम सीकरी को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अनोपचारिक बातचीत में डा० मंजू शिवाच एवं राजन चौधरी तथा बिजेन्द्र सिंह अध्यक्ष किसान यूनियन ने उमेश कुमार मोदी द्वारा दीपावली के पर्व पर अपने निजी संसाधनों से 25 करोड रूपया किसानों को गन्ना मूल्य में अदा किया जिसका उन्होने कुछ दिन पूर्व वादा किया था अर्थात उन्होने अपना वादा पूरा किया था। इसके लिए उन्होने सेठ उमेश कुमार मोदी का आभार व्यक्त किया। वेदपाल सिंह मलिक ने अवगत कराया कि पेराई सत्र 2025-26 में चीनी मिल द्वारा 95 लाख कुन्टल पेराई का लक्ष्य रखा तथा किसानों से अनुरोध किया कि चीनी मिल में साफ सुथरा अगोला रहित ताजा गन्ने की आपूर्ति करें। सट्टे से अधिक गन्ना जिन कृषकों के पास उपलब्ध है उसके लिए मिल अतिरिक्त सट्टा कराकर पेराई करने में सक्षम है। अतः किसान भाई अपना गन्ना कोल्हू पर खुर्द बुर्द ना करें। इस अवसर पर मिल के चीफ एक्जीक्यूटिव, एन०पी० बंसल, वेदपाल सिंह मलिक उपाध्यक्ष, आर०पी० सिंह वाईस प्रेसीडेन्ट (टैक्नी०), डी०डी० कौशिक महाप्रबन्धक (पी०आर०), राहुल त्यागी महाप्रबन्धक (गन्ना), सुरेश शर्मा उप महाप्रबन्धक (काम०), महेशचन्द त्यागी पर्सनल मैनेजर, शेखर शर्मा एवं नवल किशोर गुप्ता एवं नेपाल सिंह, सतपाल तेवतिया, राजकुमार नेहरा, ओमपाल सिंह, जय मलिक, रामौतार त्यागी सरना, कृष्णपाल दुहाई, विनोद काजमपुर, पप्पू, डब्बु, बिन्दर खंजरपुर, दीपक त्यागी खिमावती एवं मांगेराम ढिढार आदि उपस्थित रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष में 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम का आयोजन

- संगोष्ठी में मुख्य अतिथि गाजियाबाद की महापौर श्रीमती सुनीता दयाल रहीं
- सरदार पटेल जी के अद्वितीय नेतृत्व और दृढ़ संकल्प ने देश को एक सूत्र में बांधा : मंजू शिवाच

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वी जयंती के उपलक्ष में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीकरी रोड स्थित सरदार पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। इसके पश्चात एकता के संदेश के साथ सीकरी रोड से मोदी मंदिर तक दौड़ यात्रा निकाली गई। दौड़ के उपरांत मोदी मंदिर परिसर में एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती सुनीता दयाल, महापौर गाजियाबाद रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी चैनपाल सिंह ने की। इस अवसर पर विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने सभी उपस्थित नागरिकों को एकता, अखंडता और राष्ट्र निर्माण के प्रति सरदार पटेल जी के योगदान की प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल जी के अद्वितीय नेतृत्व और दृढ़ संकल्प ने देश को एक सूत्र में बांधा, और आज का भारत उन्हीं के सपनों की पूर्ति की दिशा में अग्रसर है। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल, नवेंद्र गॉड, जितेंद्र चित्तौड़ा, अमित चौधरी, सुदेश जैन, राजेंद्र वाल्मीकि, अनिल त्यागी चेयरमैन निवाड़ी, आकाश शर्मा, रोहित तोमर, सचिन त्यागी, दीपक गुर्जर सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मोदीनगर में बंदरों का आतंक, बबली गुर्जर के नेतृत्व में तहसील पर किया विरोध-प्रदर्शन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। बंदरों के उत्पात से परेशान सीकरी खुर्द के लोगों ने शनिवार को तहसील मुख्यालय का घेराव किया। आक्रोशित ग्रामीण नारेबाजी करते हुए संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंच गए और अधिकारियों के सामने जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने अधिकारियों से समस्या के समाधान की मांग की। समाधान नहीं होने पर आंदोलन छेड़ने के चेतावनी दी।

सीकरी खुर्द के ग्रामीण और आसपास की कई कॉलोनियों के लोग पूर्व जिप सदस्य बबली गुर्जर, राहुल गुर्जर, अमित गोयल, निदर्दोष खंटाना आदि के साथ बड़ी संख्या में एकत्रित होकर तहसील पहुंचे और हंगामा किया। सपा नेताओं ने किया आंदोलन बंदरों के उत्पात व तिबड़ा फाटक पर जाम आदि की समस्या को लेकर कांग्रेस व सपा नेताओं ने भी आंदोलन किया।

शनिवार को कांग्रेस नेता और सपा नेता बड़ी संख्या में कार्यकताओं के साथ तहसील मुख्यालय पहुंचे और हंगामा करते हुए संपूर्ण समाधान दिवस में धरना दिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा और सपा के नगर अध्यक्ष एडवोकेट सचिन दीक्षित ने चेतावनी दी यदि नगरवासियों को शीघ्र बंदरों की समस्या से निजात नहीं मिली तो आंदोलन किया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने नगर में विकसित हो रहीं अवैध कॉलोनियों और तिबड़ा फाटक जाम का मुद्दा भी उठाया।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती राष्ट्रीय अखंडता दिवस के रूप में मनाई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। राष्ट्रीय एकता व अखंडता के प्रतीक, आधुनिक भारत के शिल्पकार महान स्वतंत्रता सेनानी स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को डॉ० के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदी नगर में उनकी प्रतिमा पर कॉलेज के प्रधानाचार्य डा सतीश चंद अग्रवाल, टी पी सिंह, आर के सिंह, शरद कुमार बाजपेयी, प्रवीण जैनर, महानन्द के साथ सभी शिक्षकों एवं छात्रों ने माल्यार्पण कर विनम्र श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें शत शत नमन किया। डा अग्रवाल ने कहा कि आजादी के बाद भारत के एकीकरण में लौह पुरुष सरदार पटेल का महत्वपूर्ण योगदान था जिन्होंने अपनी सूझ-बूझ से समस्त देसी विरासतों को अखंड भारत में विलय कराया।

कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलायी तथा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस दौरान राष्ट्रीय एकता और अखंडता के संदेश के साथ विद्यालय के छात्रों ने एक रैली का आयोजन किया। विद्यालय के खेल प्रशिक्षक राजीव सिंह के नेतृत्व में छात्रों ने रन फॉर यूनिटी के लिए दौड़ लगायी तथा हिन्दी प्रवक्ता डॉ भावना सिंह, महानन्द सिंह एवम राजेश सिंह की देख रेख में एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा छ के आरव प्रथम कक्षा बारह के शिवाजी द्वितीय तथा कक्षा आठ के कन्हैया तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर वाई सी शर्मा, लेफ्टिनेंट राजीव कुमार, राजीव सिंह, प्रयास शर्मा, बलराम सिंह, डा ए के जैन, आशाराम त्यागी, रामकुमार, नंदलाल, वीरेन्द्र सिंह, डॉ नीतु, डॉ भावना सिंह, वर्षा चौधरी, योगेन्द्र कुमार, संजय कुमार, अनिल कुमार, संजीव कुमार, सोमवीर, रवींद्र कुमार, गौरव त्यागी, विनीत चौधरी, रोमा चौधरी, डॉ० पूनम विशिष्ट, अनिता अग्रवाल सतीश कुमार आदि उपस्थित रहे।

गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी पर जताया हर्षः रणवीर दहिया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। रालोद के प्रदेश महासचिव एवं सिवाल खास विधानसभा क्षेत्र के सदस्यता अभियान के प्रभारी रणवीर दहिया ने प्रदेश सरकार द्वारा की गई 30 रुपया गन्ना बढ़ोतरी पर हर्ष व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन में किसानों की समस्याओं को दूर करने की दिशा में यह एक प्रयास है। इस बढ़ोतरी से किसानों को अवश्य राहत मिलेगी।

छाया पब्लिक स्कूल में आयोजित राष्ट्रीय बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में हरियाणा के कपिल ने जीता खिताब

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर । गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल के विशाल सभागार में आयोजित विजय बहादुर क्लासिक 3.0 राष्ट्रीय बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में हरियाणा के कपिल ने चैंपियंस आफ चैंपियंस का खिताब जीता जिसमें उन्हें 51000 रुपए नगद ट्रॉफी, सर्टिफिकेट व विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रायोजित पुरस्कारो से नवाजा गया द्वितीय पुरस्कार उत्तर प्रदेश के सलमान ने जीता जिनको 31000 रुपए नगद ट्रॉफी प्रशस्ति पत्र व अन्य सामान भेंट किए गए कार्यक्रम मैं देश भर के ढाई सौ से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया पुरस्कार में 5 लाख 60000 की नगद राशि, औ ट्रॉफी मेडल, सर्टिफिकेट व अन्य खेल के समान पुरस्कार स्वरूप विभिन्न भार वर्गों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, स्थान पर आने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली व छाया पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य शिक्षाविद डॉक्टर अरुण त्यागी द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुरू किया गया प्रतियोगिता के संयोजक मिस्टर इंडिया विजय बहादुर ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी की भूमिका के लिए धन्यवाद किया इस अवसर पर कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय अंपायर सरदार बलबीर सिंह व अन्य गणमान्य लोगों की गरिमामय उपस्थिति रही।